Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 230
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार,20 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

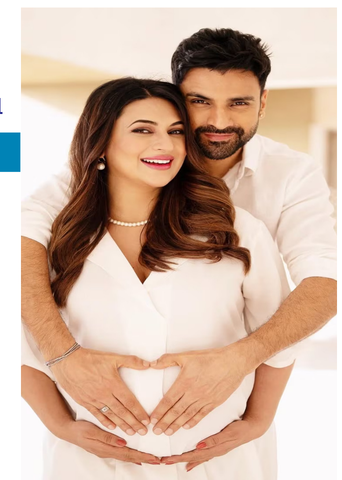

2 रोजगार सेवकों ने बीडीओ को सौंपा चार सूत्री ज्ञापन
4 आंखों के नीचे काले घेरे कैसे हटाएं? आजमाएं ये
7 प्रेग्नेंट दिव्यांका त्रिपाठी का पहला पोस्ट

पीएम मोदी ने फ्रांस, मलयेशिया और ओमान के प्रमुखों से की बात

पश्चिम एशिया संकट पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक कूटनीतिक पहल तेज करदी है। इसके तहत उन्होंने फ्रांस, मलयेशिया और ओमान के शीर्ष नेताओं से बातचीत की। इन चचाओं में क्षेत्रीय संकट, शांति बहाली और संवाद के जरिए तनाव कम करने पर जोर दिया गया। वहीं, इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कुवैत के क्राउन प्रिंस, शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह को ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दी थी। साथ ही कुवैत में रहने वाले भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई के लिए लगातार समर्थन के लिए धन्यवाद भी किया था। मैक्रों से पीएम मोदी की बात प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बातचीत में पश्चिम एशिया की स्थिति पर चिंता व्यक्त की और तनाव कम करने (डी-एस्केलेशन) के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत पर बल दिया। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए संवाद और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है। साथ ही, उन्होंने भविष्य में भी करीबी समन्वय जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। मलयेशिया पीएम से की बात इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से भी फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने हरि राया ऐदिलफित्री के अवसर पर मलयेशिया की जनता को अग्रिम शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की चिंताजनक स्थिति पर चर्चा करते हुए तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाली के लिए साझा प्रतिबद्धता जताई। ओमान के सुल्तान से भी की चर्चा ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें भाई कहकर संबोधित करते हुए ओमान की जनता को ईद की अग्रिम बधाई दी। इस वार्ता में भी दोनों नेताओं ने संवाद और कूटनीति के जरिए तनाव कम करने और शांति बहाल करने की आवश्यकता पर सहमति जताई। पीएम मोदी ने हमले की निंदा की प्रधानमंत्री मोदी ने ओमान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की कड़ी निंदा दोहराई और संकट के दौरान हजारों लोगों, जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं, की सुरक्षित वापसी में ओमान की भूमिका की सराहना की। इसके साथ ही दोनों देशों ने होरमुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवागमन के महत्व को भी रेखांकित किया। इन वाताओं के जरिए भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और कूटनीतिक समाधान का प्रबल समर्थक है। कुवैत के क्राउन प्रिंस को भी मिलाया फोन बुधवार को पीएम मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस, शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से बात की थी। पीएम मोदी ने चर्चा की जानकरी देते हुए एक्स पर लिखा था कि हमने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया और हाल के घटनाक्रमों पर अपनी चिंता व्यक्त की। कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हमलों की हम पहले भी निंदा कर चुके हैं और हमने फिर वही किया।पीएम मोदी ने पोस्ट में आगे लिखा कि हॉर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। पीएम मोदी ने कहा कि हम इस बात पर सहमत हुए कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव अत्यंत आवश्यक है।

पहली बार प्रवासी पंचायतों की रूपरेखा तैयार, होगा संवाद

24 अप्रैल को टिहरी से की जाएगी शुरूआत

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखं में पहली बार प्रवासी पंचायतों की रूपरेखा तैयार की गई है। 24 अप्रैल को टिहरी से इसकी शुरूआत होगी। पैतृक गांव लौटने के इच्छुक प्रवासियों के साथ संवाद होगा। राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों व दूसरे राज्यों में रह रहे प्रवासियों को वापस अपने पैतृक गांव लौटने के लिए उत्तराखंड पलायन निवारण आयोग ने प्रवासी पंचायतों की रूपरेखा तैयार कर ली है। पहली बार प्रदेश के हर जिले में प्रवासी पंचायतें होंगी। इसकी शुरूआत 24 अप्रैल को टिहरी जिले से की जाएगी। उत्तराखंड पलायन निवारण आयोग की सर्वे के अनुसार 6282 प्रवासी अपने गांव लौटे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हर जिले में प्रवासी पंचायत कराने के निर्देश दिए थे। पलायन आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. एसएस नेगी की अध्यक्षता में पौड़ी में हुई बैठक में प्रवासी पंचायतों की रूपरेखा तैयार की है। प्रवासी पंचायतों में राज्य के दूसरे जिलों या बाहरी राज्यों में रहने वाले उन प्रवासियों को आमंत्रित किया जाएगा, जो अपने गांव लौटने के इच्छुक हैं। प्रवासी स्वरोजगार क्षेत्र में अनुभवों को साझा करेंगे कोविड काल में अपने गांव लौटे प्रवासियों ने अनुभव के आधार पर स्वरोजगार को अपनाया है। कई प्रवासी कृषि, बागवानी, मसाले की खेती, सगंध फसलें, मधुमक्खी पालन, पुष्प उत्पादन, मशरूम उत्पादन के अलावा होमस्टे, होटल, रेस्टोरेंट, पशुपालन, डेयरी में अच्छा काम कर रहे हैं। ऐसे प्रवासी स्वरोजगार क्षेत्र में अनुभवों को साझा करेंगे। प्रवासी पंचायतों की रूपरेखा तय हो गई है।

असम चुनाव: भाजपा ने जारी की 88 उम्मीदवारों की सूची

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने असम विधानसभा चुनाव के लिए 88 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची बृहस्पतिवार को जारी कर दी, जिसमें जलुकबारी सीट से मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का नाम भी शामिल है। पार्टी ने कांग्रेस के पूर्व नेता प्रद्युत बोरदोलोई को दिसपुर विधानसभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। बोरदोलोई बुधवार को शर्मा और पार्टी के अन्य नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो चुके हैं। सूची के अनुसार, हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले भूपेन कुमार बोरा बिहपुरा सीट से चुनाव लड़ेंगे। बिरसिंह-जरूआ सीट से माधवी दास, चमरिया से ज्योत्सना कलिता और मंगलदाई से नीलिमा देवी को चुनावी मैदान में उतारा गया है। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने बुधवार शाम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में हुई बैठक में उम्मीदवारों की पहली सूची को अंतिम रूप दिया। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा चुनाव समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे। भाजपा की असम इकाई के प्रमुख दिलीप सैकिया भी बैठक में मौजूद थे।

यूएन की रिपोर्ट में भारत की बड़ी उपलब्धि, बाल मृत्यु दर में भारी गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र की तरफ से एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें भारत में बाल मृत्यु दर में भारी गिरावट देखने को मिली। संयुक्त राष्ट्र ने बाल मृत्यु दर में गिरावट को लेकर भारत की जमकर सराहना की। वहीं, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। पीएम मोदी ने लिखा कि यूएन की रिपोर्ट में बच्चों की मौत में तेज गिरावट के लिए भारत की तारीफ की गई। संयुक्त राष्ट्र बाल मृत्युदर अनुमान अंतर-एजेंसी समूह (यूएनआई जीएमई) की हालिया रिपोर्ट 2025 के मुताबिक, बच्चों की मौत की दर को कम करने में दुनियाभर में हुई तरक्की में भारत एक अहम योगदान देने वाला देश बनकर उभरा है। रिपोर्ट में बच्चों के बचने के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए, खासकर नवजात और पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत के मामले में देश की लगातार और बड़े पैमाने पर की गई कोशिशों पर जोर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन नतीजों ने एक मजबूत, केंद्र और राज्यों द्वारा संचालित तथा मानकों पर आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की प्रभावशीलता को उजागर किया है।

गुजरात में बड़ा खुलासा, आश्रम की आड़ में छप रहे थे नकली नोट

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में नकली नोटों के खिलाफ चल रही कार्रवाई के बीच अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने एक बड़े रैकेट का पदार्फाश किया है। सूरत से संचालित इस फर्जी करेंसी नेटवर्क में 2 करोड़ रुपये से ज्यादा के नकली नोट बरामद किए गए हैं, जबकि 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में जो सबसे चौंकाने वाला खुलासा हुआ, वह इस नेटवर्क का एक आध्यात्मिक आश्रम से जुड़ा होना है। सूरत के कामरेज तालुका के धोरण पारडी गांव में स्थित श्री सत्य योग फाउंडेशन के आश्रम में नकली नोट छापने का काम किया जा रहा था। बाहर से धर्म और योग का केंद्र दिखने वाला यह आश्रम अंदर ही अंदर फर्जी करेंसी के कारोबार का अड्डा बना हुआ था। क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि सूरत से नकली नोटों की बड़ी खेप अहमदाबाद लाई जा रही है।

राष्ट्रपति ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में की श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना

राष्ट्रपति, राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने किए रामलला के दर्शन, झुकाया शीश

लखनऊ(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चौत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना की। राष्ट्रपति ने नव संवत्सर पर रामलला के चरणों में शीश झुकाकर व आरती उतारकर श्रद्धा निवेदित की। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राष्ट्रपति के साथ रामलला की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में सभी देवों के समक्ष शीश झुकाया। राष्ट्रपति ने श्रीराम मंदिर परिसर का भ्रमण कर यहां की दीवारों पर उकेरी गईं आकृतियों का अवलोकन किया। राष्ट्रपति ने पूज्य संतों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच चौत्र शुक्ल प्रतिपदा पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीरामयंत्र की विधिवत प्रतिष्ठापना की। श्रीराम यंत्र दो वर्ष पूर्व

जगद्गुरु शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती महाराज द्वारा शोभायात्रा के माध्यम से अयोध्या भेजा गया था। वैदिक गणित और ज्यामितीय आकृतियों पर आधारित यह यंत्र देवताओं का निवास माना जाता है, जो सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करने की क्षमता रखता है। दक्षिण भारत, काशी, अयोध्या के आचार्यों द्वारा मंदिर में श्रीराम यंत्र के लिए नौ दिवसीय वैदिक अनुष्ठान पहले से ही शुरू हो चुका था। यंत्र प्रतिष्ठापना के समय राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मां अमृतानंदमयी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, सदस्य गोपाल आदि मौजूद रहे।

'सिर्फ हमारे लिए ही नहीं, दुनिया के लिए भी मुश्किल समय'

पश्चिम एशिया संकट पर बोला विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत ने वैश्विक स्तर पर कूटनीतिक संपर्क तेज कर दिए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह समय सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए परीक्षा का है। उन्होंने बताया कि भारत के नेता विभिन्न देशों के अपने समकक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं। सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है और शांति व स्थिरता के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत के शीर्ष नेता लगातार विभिन्न देशों के नेताओं के संपर्क में हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुवैत के क्राउन प्रिंस के बीच बातचीत हुई, जिसमें क्षेत्रीय हालात पर चिंता जताई

गई। भारत ने कूटनीति के जरिए हालात को संभालने और अपने हितों की रक्षा करने की दिशा में काम जारी रखा है। क्या कूटनीतिक प्रयासों से मिला फायदा? विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत के प्रयासों का असर भी दिखा है। हाल ही में बातचीत और समन्वय के जरिए भारत अपने दो एलपीजी जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकालने में सफल रहा है। यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। क्या भारतीयों की सुरक्षा पर भी है फोकस? सरकार ने कहा है कि खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। भारतीय दूतावास और सरकार लगातार संपर्क में हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके। ऊर्जा सुरक्षा को लेकर क्या रणनीति है? भारत इस संकट के बीच अपनी ऊर्जा जरूरतों को भी सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहा है। होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर स्थिति को सामान्य बनाए रखना भारत के लिए जरूरी है, क्योंकि यही रास्ता तेल और गैस आपूर्ति का बड़ा स्रोत है। क्या आगे भी जारी रहेगा संपर्क? विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि भारत कई देशों और हितधारकों के साथ लगातार संपर्क में रहेगा। सरकार का कहना है कि वह कूटनीति के जरिए समाधान निकालने और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राहुल गांधी का आरोप

भाजपा फैला रही नफरत, दिल्ली में बनाये जा रहे दंगे जैसे हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर नफरत फैलाकर दिल्ली में फिर से दंगे जैसे हालात बनाने का आरोप लगाया है और लोगों से अपील की है कि वे किसी बहकावे में न आयें। राहुल गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा चाहती है कि देश हिन्दू-मुसलमान में उलझा रहे ताकि लोग विभिन्न मुद्दों पर सवाल न पूछ सकें। उन्होंने होली के मौके पर राजधानी के उत्तम नगर की घटना का उल्लेख

करते हुए कहा, "उत्तम नगर के लोगों ने हिंसा की भारी कीमत चुकाई है। एक तरफ एक जवान लड़के, तरुण, की जान चली गई, दूसरी तरफ एक पूरा परिवार उत्पीड़न का सामना कर रहा है। उन्हें और खून-खराबा नहीं चाहिए।" राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)और उसका इकोसिस्टम नफरत के माहौल को बढ़ावा देकर हिंसा से राजनीतिक फायदा उठाना चाहता है। उन्होंने आरोप लगाया, "वे चाहते हैं कि देश हिंदू-मुसलमान में उलझा रहे, ताकि लोग ये न पूछ सकें कि आखिर प्रधानमंत्री देश की रक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और सामरिक संप्रभुता को अमेरिका के हवाले करने पर क्यों मजबूर है। इसीलिए दिनदहाड़े देश की राजधानी में फिर से दंगों जैसे हालात खड़े किये जा रहे हैं।" उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की है कि वे किसी भी बहकावे में न आएं और एकता, भाईचारे व मोहब्बत बनाए रखें।

दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश, ईद पर शांति व्यवस्था हो सख्त; शरारती तत्वों पर पुलिस रखे नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने उत्तम नगर विवाद में पुलिस और प्रशासन को ईद के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए अनुकूल माहौल बनाने के निर्देश दिए। साथ ही शरारती तत्वों पर नजर रखने और कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु राम नवमी तक पुलिस तैनाती जारी रखने का आदेश दिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने उत्तम नगर विवाद मामले में पुलिस और प्रशासन को निर्देश दिए हैं। न्यायालय ने ईद के शांतिपूर्ण और गरिमापूर्ण आयोजन के लिए अनुकूल माहौल सुनिश्चित करने

को कहा है। हाईकोर्ट ने अधिकारियों से कहा कि पुलिस का बंदोबस्त ऐसा हो जिससे सभी में सुरक्षा और भरोसे की भावना पैदा हो। उत्तम नगर क्षेत्र में कोई शरारत न करे, इसके लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया गया। किसी भी अप्रिय या बिगड़ती स्थिति को रोकने के लिए भी हाईकोर्ट ने आदेश दिए। न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि उत्तम नगर में पुलिस व्यवस्था राम नवमी तक जारी रहेगी। यह कदम क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया है। प्रशासन को सतर्क रहने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कहा गया है।

बंगाल में भाजपा की दूसरी लिस्ट, सोनारपुर दक्षिण से रूपा गांगुली तो शुभेंदु के भाई को भी टिकट

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के

लिए 111 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की है। इसमें निसिथ प्रमाणिक, प्रियंका टिबरेवाल और रूपा गांगुली जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। आइए विस्तार से जानते हैं भाजपा किसे किस विधानसभा से उम्मीदवार बनाया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी दूसरी सूची जारी कर दी है, जिसमें 111 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। यह सूची केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद जारी की गई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। बता दें, इस सूची में शुभेंदु के भाई दिब्येंदु को भी उम्मीदवार बनाया है। इस सूची में कई प्रमुख चेहरों को टिकट दिया गया है। निसिथ प्रमाणिक को मथाभांगा, शंकर अधिकारी को चोपड़ा और प्रियंका टिबरेवाल को एंटली से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, रूपा गांगुली को सोनारपुर दक्षिण और कौस्तव बागची को बैरकपुर सीट से मैदान में उतारा गया है। भाजपा ने इस सूची में अनुभव और नए चेहरों का संतुलन रखने की कोशिश की है। पार्टी का लक्ष्य राज्य में मजबूत प्रदर्शन करना है, जिससे चुनावी मुकाबला और दिलचस्प हो गया है। आइए देखते हैं, पार्टी ने किसे-कहां से उम्मीदवार बनाया है।

50 से ज्यादा प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले पर सीएम ममता ने भाजपा को घेरा, बताया अघोषित आपातकाल

पश्चिम बंगाल (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और इखढ पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल को जान-बूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने 50 से ज्यादा वरिष्ठ अधिकारियों के तबादलों को अघोषित आपातकाल करार दिया। एक्स पर पोस्ट लिखते हुए सीएम बनर्जी ने दावा किया कि जिस तरह से चुनाव आयोग ने बंगाल को अलग करके निशाना बनाया है, वह पहले कभी नहीं हुआ, यह बेहद चिंताजनक भी है।

चुनावों की औपचारिक अधिसूचना जारी होने से पहले ही, मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी, एडीजी, आईजी, डीआईजी, जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक समेत 50 से ज्यादा वरिष्ठ अधिकारियों को अचानक और मनमाने ढंग से हटा दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा यह कोई प्रशासनिक कार्रवाई नहीं है, बल्कि यह उच्चतम स्तर की राजनीतिक दखलंदाजी है। उन संस्थाओं का व्यवस्थित राजनीतिकरण, जिन्हें निष्पक्ष रहना चाहिए, संविधान पर सीधा हमला है। ऐसे समय में जब एक बेहद दोषपूर्ण एसआईआर प्रक्रिया चल रही है और 200 से ज्यादा लोगों की जान पहले ही जा चुकी है, आयोग का रवैया साफ तौर पर पक्षपात और राजनीतिक हितों के प्रति एक असहज समर्पण को दिखाता है, जिससे बंगाल के लोगों को लगातार खतरा बना हुआ है। पूरक मतदाता सूचिया अभी तक प्रकाशित नहीं हुई हैं, जो सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों की साफ अवहेलना है, जिससे नागरिक चिंतित और अनिश्चित हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि आईबी, एसटीएफ और सीआईडी जैसी एजेंसियों के प्रमुख अधिकारियों का जान-बूझकर तबादला किया जा रहा है ताकि राज्य के प्रशासनिक ढांचे को कमजोर किया जा सके।

महिला विश्रामकक्ष का उद्घाटन करती हुई वरिष्ठ महिला कर्मचारी स्नेहलता दुबे साथ में मुख्य कारखाना प्रबन्धक डॉ. सुनील कुमार शर्मा

गोरखपुर,: महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर के दिशा-निर्देश पर यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने एवं महिलाओं की सहभागिता, सम्मान एवं समान अवसरों को प्रोत्साहित करने हेतु समावेशी एवं सकारात्मक कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 17 से 19 मार्च 2026 तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत 17 मार्च, 2026 को महिला कर्मचारियों द्वारा कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें गीत, कविता तथा अन्य रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभाओं का प्रभावी प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर महिला कर्मचारियों ने अपनी सृजनात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से अपने अनुभवों एवं भावनाओं को साझा किया, जिससे प्रेरक एवं संवादात्मक वातावरण का सृजन हुआ। 18 मार्च, 2026 को बोगी स्प्रिंग अनुभाग में स्प्रिंग पेंट बूथ का उद्घाटन वरिष्ठ महिला कर्मचारी श्रीमती मधुबाला श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर महिला कर्मचारियों के सम्मान में आयोजित सहभोज के माध्यम से आपसी संवाद से सहयोग एवं सौहार्द को प्रोत्साहन मिला। मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना डॉ0 सुनील कुमार शर्मा की उपस्थिति में 19 मार्च 2026 को महिला विश्राम कक्ष का उद्घाटन वरिष्ठ महिला कर्मचारी श्रीमती स्नेहलता दुबे ने किया तथा मुख्य कारखाना प्रबन्धक डॉ0 सुनील कुमार शर्मा ने बढ़ते कदम नामक पत्रिका का विमोचन किया, जो कारखाना की महिला कर्मचारियों की स्वप्रेरणा से प्रारंभ की गई पहल का परिणाम है। इस पत्रिका में महिला कर्मचारियों के अनुभव, प्रेरक प्रसंग, संस्मरण, लेख, कविताएँ एवं विचार सम्मिलित हैं। पत्रिका में कार्यशाला के विभिन्न अनुभागों की गतिविधियों एवं कार्यप्रणाली से संबंधित लेख भी प्रकाशित किए गए हैं, जो कारखाना के विविध आयामों को रेखांकित करते हैं। यह पहल कार्यस्थल पर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विमोचन के अवसर पर मुख्य कारखाना प्रबंधक डॉ. सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि महिलाएँ कारखाने की कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ बनाते हुए अपनी क्षमता, दक्षता एवं नेतृत्व के माध्यम से प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे पर 150 किमी. से ज्यादा ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग कमीशन

गोरखपुर,: संरक्षित, सुरक्षित एवं यात्रियों के मांग के अनुरूप ट्रेनों के सुगम परिचालन हेतु भारतीय रेल पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के कार्य के साथ रेल संरक्षा कार्य प्रगति पर है। पूर्वोत्तर रेलवे पर भी इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास एवं विस्तार के साथ ही ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे पर अब तक 152.24 रूट किलोमीटर ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है, जो इस रेलवे के लिये विशेष उपलब्धि है। वर्ष 2025-26 में अभी तक इस रेलवे पर गोविन्दनगर-बभनान (24.64 किमी.), बभनान-स्वामी नारायण छपिया (12 किमी.) एवं देवरिया सदर-नूनखार (13.67 किमी.) खंडों सहित कुल 50.31 किमी. ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूर्ण किया गया। पूर्वोत्तर रेलवे पर ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूर्ण होने से और अधिक ट्रेनों का संचलन सम्भव होगा तथा लाइन क्षमता में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त ट्रेनों के समय-पालन में सुधार के साथ ही संरक्षा सुनिश्चित होगी। विदित है कि पूर्वोत्तर रेलवे पर ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली की शुरूआत गत वित्त वर्ष 2024-25 के आरम्भ में जगतबेला-मगहर (14.65 किमी.) खंड के कमीशनिंग के साथ हुई थी। ऑटोमेटिक ब्लॉक खंडों पर ट्रेनें सुगमतापूर्वक एवं संरक्षित तरीके से चल रही हैं।

निम्नलिखित गाड़ियों का 05 मिनट का ठहराव निम्नवत प्रदान किया जायेगा

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा नवरात्रि मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा हेतु पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मण्डल के मैहर स्टेशन पर निम्नलिखित गाड़ियों का 05 मिनट का ठहराव निम्नवत प्रदान किया जायेगा।

-लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 18 से 30 मार्च, 2026 तक चलने वाली 11055 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 03.15 बजे पहुंचकर 03.20 बजे छूटेगी ।

-लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 19 से 31 मार्च, 2026 तक चलने वाली 11059 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 03.15 बजे पहुंचकर 03.20 बजे छूटेगी ।

-पुरट्चि तलैवर डॉ0 एम.जी. रामचंद्रन (चेन्नै सेंट्रल) से 21 से 30 मार्च, 2026 तक चलने वाली 12669 पुरट्चि तलैवर डॉ0 एम.जी. रामचंद्रन (चेन्नै सेंट्रल)-छपरा एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 20.50 बजे पहुंचकर 20.55 बजे छूटेगी ।

-वलसाड से 21 से 28 मार्च, 2026 तक चलने वाली 19051 वलसाड-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 15.05 बजे पहुंचकर 15.10 बजे छूटेगी ।

-लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 23 से 30 मार्च, 2026 तक चलने वाली 15268 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रक्सौल एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 10.40 बजे पहुंचकर 10.45 बजे छूटेगी ।

-दुर्ग से 18 से 28 मार्च, 2026 तक चलने वाली 18201 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 05.35 बजे पहुंचकर 05.40 बजे छूटेगी ।

-पुणे से 19 से 26 मार्च, 2026 तक चलने वाली 11037 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 11.05 बजे पहुंचकर 11.10 बजे छूटेगी ।

-लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 20 से 27 मार्च, 2026 तक चलने वाली 18610 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रांची एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 10.40 बजे पहुंचकर 10.45 बजे छूटेगी ।

-पुणे से 23 से 30 मार्च, 2026 तक चलने वाली 22131 पुणे-बनारस एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 11.05 बजे पहुंचकर 11.10 बजे छूटेगी ।

-सूरत से 18 से 30 मार्च, 2026 तक चलने वाली 19045 सूरत-छपरा एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 02.00 बजे पहुंचकर 02.05 बजे छूटेगी ।

-गोंडा से 20 मार्च से 01 अप्रैल, 2026 तक चलने वाली 11056 गोंडा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 20.25 बजे पहुंचकर 20.30 बजे छूटेगी ।

-छपरा से 19 से 30 मार्च, 2026 तक चलने वाली 11060 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 20.25 बजे पहुंचकर 20.30 बजे छूटेगी ।

-छपरा से 18 से 30 मार्च, 2026 तक चलने वाली 12670 छपरा-पुरट्चि तलैवर डॉ0 एम.जी. रामचंद्रन (चेन्नै सेंट्रल) एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 07.25 बजे पहुंचकर 07.30 बजे छूटेगी ।

-मुजफ्फरपुर से 23 से 30 मार्च, 2026 तक चलने वाली 19052 मुजफ्फरपुर-वलसाड एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 11.40 बजे पहुंचकर 11.45 बजे छूटेगी ।

-रक्सौल से 21 से 28 मार्च, 2026 तक चलने वाली 15267 रक्सौल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 11.25 बजे पहुंचकर 11.30 बजे छूटेगी ।

-नौतनवा से 20 से 29 मार्च, 2026 तक चलने वाली 18202 नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 01.55 बजे पहुंचकर 02.00 बजे छूटेगी ।

-गोरखपुर से 21 से 28 मार्च, 2026 तक चलने वाली 11038 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 04.20 बजे पहुंचकर 04.25 बजे छूटेगी ।

-रांची से 18 से 25 मार्च, 2026 तक चलने वाली 18609 रांची-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 13.40 बजे पहुंचकर 13.45 बजे छूटेगी ।

-बनारस से 25 मार्च से 01 अप्रैल, 2026 तक चलने वाली 22132 बनारस-पुणे एक्सप्रेस, मैहर स्टेशन पर 11.25 बजे पहुंचकर 11.30 बजे छूटेगी ।

भारतीय रेलवे में अनधिकृत बिक्री को समाप्त करने और रेल यात्रियों के लिए प्रमाणित खानपान सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए क्यूआर कोड-सक्षम पहचान पत्र और डिजिटल रूप से ट्रेस करने योग्य खाद्य पैकेटों का उपयोग किया जाएगा

गोरखपुर,: भारतीय रेलवे के यात्रियों के बीच अनधिकृत रूप से सामान बेचना और फेरी लगाना प्रतिबंधित है। यह रेल अधिनियम, 1989 की धारा 144 के तहत दंडनीय अपराध है। ट्रेनों में अनधिकृत विक्रेताओं के प्रवेश को रोकने के लिए नामित अधिकारियों और रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा नियमित निरीक्षण किए जाते हैं। रेलवे परिसर में अनधिकृत बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए रेलवे और आईआरसीटीसी के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर विशेष अभियान भी चलाए जाते हैं। ट्रेनों में अधिकृत विक्रेताओं की पहचान सुनिश्चित करने के लिए, ट्रेन में खानपान सेवाओं के प्रबंधन हेतु तैनात प्रत्येक विक्रेता/सहायक/कर्मचारी के नाम पर क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र जारी करना अनिवार्य कर दिया गया है। यह क्यूआर कोड विक्रेता का नाम, आधार नंबर, मेडिकल फिटनेस, पुलिस सत्यापन का विवरण आदि प्रदर्शित करके कर्मचारी की प्रामाणिकता को सुनिश्चित करता है। अनधिकृत बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए अन्य उपायों में खाद्य पैकेटों पर क्यूआर कोड लगाना शामिल है, जिसमें रसोई का नाम और निर्माण की तिथि आदि प्रदर्शित होती है। गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए हैं: निर्धारित बेस किचन से भोजन की आपूर्ति। चिन्हित स्थानों पर आधुनिक बेस किचन की स्थापना। भोजन तैयार करने की प्रक्रिया की बेहतर निगरानी के लिए बेस किचन में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। खाना पकाने के तेल, आटा, चावल, दालें, मसाला सामग्री, पनीर, डेयरी उत्पाद आदि जैसे लोकप्रिय और ब्रांडेड कच्चे माल का चयन और खाद्य उत्पादन के लिए उनका उपयोग। खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता प्रणालियों की निगरानी के लिए मुख्य रसोईघरों में खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षकों की तैनाती। ट्रेनों में आईआरसीटीसी के पर्यवेक्षकों की तैनाती। बेस किचन और पैंट्री कारों में नियमित रूप से गहन सफाई और समय-समय पर कीट नियंत्रण। खाद्य सुरक्षा मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक खानपान इकाई के नामित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों से भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का प्रमाणन अनिवार्य कर दिया गया है। ट्रेनों में भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और निगरानी प्रणाली के हिस्से के रूप में नियमित रूप से भोजन के नमूने लेना। पेंट्री कारों और बेस किचन में भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता की जांच के लिए तृतीय-पक्ष ऑडिट किया जाता है। ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण भी आयोजित किया जाता है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण। आईआरसीटीसी द्वारा खानपान कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाने के लिए नियमित प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है, जिसमें ग्राहक सेवा क्षेत्रों जैसे संवाद, विनम्र व्यवहार, सेवा मानक, व्यक्तिगत साज-सज्जा और स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित किया जाता ह। केंद्रीय रेल मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्री और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कल लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी।

जन आकांक्षाओं को देखते हुए इस गाड़ी का ठहराव जनकपुर रोड स्टेशन पर प्रदान किया जायेगा

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु पूर्व से चलाई जा रही 05741/05742 किशनगंज-लालकुआँ-किशनगंज वाया गोरखपुर विशेष गाड़ी का संचलन किशनगंज से 26 मार्च, 2026 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को तथा लालकुआँ से 27 मार्च, 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को निम्नवत किया जा रहा हैं । जन आकांक्षाओं को देखते हुए इस गाड़ी का ठहराव जनकपुर रोड स्टेशन पर प्रदान किया जायेगा। 05741 किशनगंज-लालकुआँ होली विशेष गाड़ी 26 मार्च, 2026 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को किशनगंज से 08.30 बजे प्रस्थान कर अलुआबाड़ी रोड से 09.02 बजे, ठाकुरगंज से 09.50 बजे, अररिया से 12.04 बजे, फारबिसगंज से 12.45 बजे, ललितग्राम से 13.40 बजे, राघोपुर से 14.02 बजे, झंझारपुर से 15.42 बजे, शिशो से 17.42 बजे, जनकपुर रोड से 18.30 बजे, सीतामढ़ी से 19.05 बजे, रक्सौल से 21.20 बजे, नरकटियागंज से 22.50 बजे, दूसरे दिन कप्तानगंज से 01.35 बजे, गोरखपुर से 02.55 बजे, गोंडा से 05.40 बजे, सीतापुर जं. से 09.15 बजे, लखीमपुर से 10.02 बजे, गोला गोरकर्णनाथ से 10.35 बजे, मैलानी से 11.30 बजे, पूरनपुर से 12.25 बजे, पीलीभीत से 13.45 बजे, भोजीपुरा से 15.20 बजे, बहेड़ी से 15.52 बजे तथा किच्छा से 16.17 बजे छूटकर लालकुआँ 16.55 बजे पहुचती हैं। वापसी यात्रा में, 05742 लालकुआँ-किशनगंज होली विशेष गाड़ी 27 मार्च, 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को लालकुआँ से 20.10 बजे प्रस्थान कर किच्छा से 20.35 बजे, बहेड़ी से 20.57 बजे, भोजीपुरा से 22.00 बजे, पीलीभीत से 23.00 बजे, दूसरे दिन पूरनपुर से 00.06 बजे, मैलानी से 01.05 बजे, गोला गोरकर्णनाथ से 01.27 बजे, लखीमपुर से 02.00 बजे, सीतापुर जं. से 02.55 बजे, गोंडा से 06.15 बजे, गोरखपुर से 09.25 बजे, कप्तानगंज से 10.17 बजे, नरकटियागंज से 12.25 बजे, रक्सौल से 13.35 बजे, सीतामढ़ी से 15.10 बजे, जनकपुर रोड से 15.40 बजे, शिशो से 16.22 बजे, झंझारपुर से 17.55 बजे, राघोपुर से 19.30 बजे, ललितग्राम से 20.10 बजे, फारबिसगंज से 21.15 बजे, अररिया से 21.37 बजे, तीसरे दिन ठाकुरगंज से 00.20 बजे तथा अलुआबाड़ी रोड से 00.47 बजे छूटकर किशनगंज 02.00 बजे पहुचती हैं। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 07, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04 तथा वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 04 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

बलिया जं. स्टेशन को किया जा रहा है पुनर्विकसित

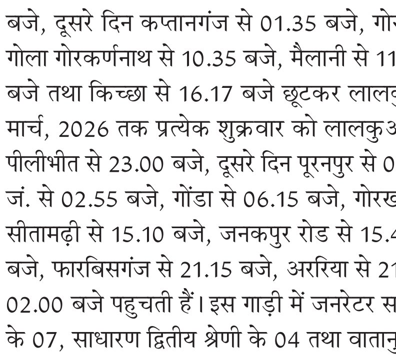

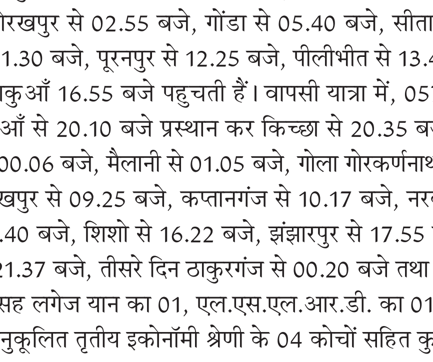

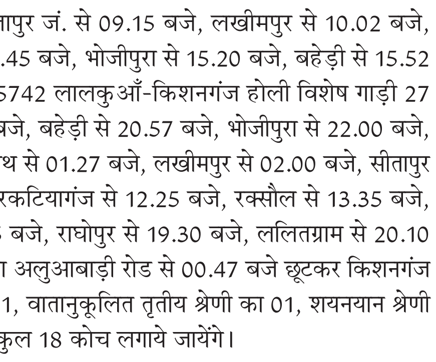

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के औंड़िहार-छपरा रेल खंड पर स्थित बलिया जं. रेलवे स्टेशन को अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत रु. 40.47 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित किया जा रहा है। यह स्टेशन नई दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, सूरत, अहमदाबाद, कोलकाता, इंदौर, पुणे, लखनऊ, कानपुर, दुर्ग, प्रयागराज, गुवाहाटी, जयपुर, राँची, अमृतसर जैसे प्रमुख नगरों एवं महानगरों के लिये सीधी ट्रेन सेवा से जुड़ा हुआ है। इस स्टेशन से 44 मेल/एक्सप्रेस एवं सवारी ट्रेनें संचालित होती हैं तथा दिन-प्रतिदिन यहाँ पर यात्रियों का आवागमन बढ़ रहा है। आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्टेशन का पुनर्निविकास किया जा रहा है। अमृत भारत योजना के अन्तर्गत बलिया रेलवे स्टेशन को आकर्षक एवं भव्य स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। इस स्टेशन पर किये जा रहे उन्नयन एवं सुधार कार्यो के अन्तर्गत स्टेशन भवन के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया गया है तथा स्टेशन भवन के प्रथम प्रवेश द्वार के सकुर्लेटिंग एरिया में पोर्च, 1000 मीटर में बने ड्रेन, 400 मीटर में बाउण्ड्री वाल, 9500 वर्ग मीटर में रोड, 2900 वर्ग मीटर में पार्किंग, 1500 वर्ग मीटर में पाथ-वे आदि का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। द्वितीय प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन के नव निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है तथा पोर्च एवं सकुर्लेटिंग एरिया का कार्य प्रगति पर है। यात्रियों को ठहरने के लिए प्रतीक्षालय, एसी लाउंज के साथ आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रसाधन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। प्लेटफार्म संख्या 02, 03 एवं 04 का विस्तार किया गया है तथा प्लेटफार्म सतह पर 12230 वर्ग मीटर में ग्रेनाइट लगाने का कार्य प्रगति पर है। स्टेशन पर पूर्व में स्थापित 03 लिफ्ट एवं 01 एस्कलेटर के अतिरिक्त 01 नये लिफ्ट एवं 03 एस्कलेटर लगाये जाने का कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजन सुविधाओं वाले शौचालयों का प्रावधान का कार्य, 1800 वर्ग मीटर में पार्किंग का निर्माण कर टू व्हीलर, थ्री व्हीलर एवं फोर व्हीलर पार्किंग का प्रावधान, यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य, 2280 वर्गमीटर में प्लेटफार्म शेल्टरों का प्रावधान, स्टेशन पर अन्तर्राष्ट्रीय मानक के अनुरूप 58 साइनेज बोर्ड का प्रावधान और आसान नेविगेशन के माध्यम से यात्री अनुभव को बढ़ाने सहित विभिन्न निर्माण कार्य प्रगति पर है। सभी निर्माण कार्यों के पूर्ण होने पर बलिया स्टेशन आकर्षक और भव्य दिखेगा, जहाँ रेल यात्रियों को एक ओर उन्नत एवं आधुनिक यात्री सुख-सुविधाओं का लाभ मिलेगा, वहीं दूसरी ओर रेल परिसर में प्रवेश करते ही उन्हें सुखद अनुभूति का एहसास होगा।

संक्षिप्त खबरें

रोजगार सेवकों ने बीडीओ को सौंपा चार सूत्री ज्ञापन

गौर। मनरेगा योजना अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर कार्य कर रहे रोजगार सेवकों को पिछले आठ माह से मानदेय न मिलने से आक्रोश व्यक्त करते हुए सहित चार सूत्रीय मांग पत्र को लेकर बुधवार को रोजगार सेवक संघ के गौर ब्लॉक अध्यक्ष के नेतृत्व में बीडीओ को ज्ञापन देकर मानदेय दिलाए जाने की मांग की है। रोजगार सेवकों ने बीडीओ केके सिंह को दिए ज्ञापन में बताया कि मनरेगा योजना के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर हम लोग निरंतर कार्य कर रहे हैं, इसके अलावा शासन के निर्देश पर बीएलओ, फार्मर रजिस्ट्री, फैमिली आईडी, क्राफ्ट सर्वे, आवास का जिओ टैग आदि कार्यों को भी पूरी ईमानदारी से किया जा रहा है, बावजूद उसके पिछले आठ माह से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया। जिससे इस महंगाई में परिवार का भरण पोषण नहीं हो पा रहा है। साथ ही पीएफ की धनराशि भी यूएएन खाते में जमा नहीं की जा रही है, लोगों ने मांग करते हुए कहा कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए मानदेय में वृद्धि की जाए। साथ ही चार अक्टूबर 2021 को मुख्यमंत्री की ओर से रोजगार सेवकों के पक्ष में की गई घोषणाओं को लागू किया जाए। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से शहंशाह आलम, अमित श्रीवास्तव, आशुतोष गुप्ता, इमरान,रागिनी सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुधा श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार यादव, निशा देवी, शिव मूरत आदि मौजूद रहे।

कैंपा की एजेंसी के नाम पर ठगी, दो पर प्राथमिकी

बस्ती। रुधौली पुलिस ने कैंपा की एजेंसी दिलाने के नाम पर डेढ़ लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में बुधवार को दो लोगों पर धोखाधड़ी व आईटी एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की है। थाना क्षेत्र के चैसार गांव के अनिल सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि कैंप ठंडा की एजेंसी लेने के लिए विजय शर्मा के कहने पर उन्होंने खाता संख्या 5936091658 में 24 फरवरी को सिक्योरिटी के रूप में 25 हजार पांच सौ रुपये आरटीजीएस के माध्यम से ट्रांसफर कर दिए। प्रोडक्ट के लिए 27 फरवरी को फिर 1.27 लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से उसी खाते में भेजे दिए। जब एक सप्ताह बाद भी प्रोडक्ट नहीं पहुंचा तो फोन करने वाले अभिषेक वर्मा से संपर्क किया। इसके बाद एग्रीमेंट के नाम पर 50 हजार रुपये की मांग की गई। उन्होंने बताया कि छानबीन करने पर पता चला कि विजय शर्मा और अभिषेक वर्मा उसके साथ धोखाधड़ी कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने दोनों आरोपियों के खिलाफ रुधौली थाने में तहरीर दी।

अयोध्या फोरलेन पर डायवर्जन लागू

बस्ती। अयोध्या में राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर बस्ती-अयोध्या फोरलेन पर बुधवार की रात 11 बजे रूट डायवर्जन प्रभावी कर दिया गया है। 19 मार्च शाम तक गोरखपुर और लखनऊ की ओर से आने वाले कामर्शियल वाहन बदले हुए रूट से निकाले जाएंगे। इसके लिए पुलिस बल मुस्तैद कर दिया गया है। केवल छोटी गाड़ी, सवारी गाड़ी और एंबुलेंस को ही अयोध्या की ओर जाने दिया जाएगा। रूट डायवर्ट होने से गोरखपुर की तरफ से आने वाली कामर्शियल गाड़ियां पॉलिटेक्निक चौराहे से उतरौला मार्ग पर निकाली जा रही है। यह सभी वाहन बलराम, गोंडा होते हुए लखनऊ निकलेंगे। जबकि लखनऊ की तरफ से आने वाले वाहन इसी रूट पर बाराबंकी से मोड़ दिए जाएंगे। इस बार रूट डायवर्ट होने से वाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई है। क्योंकि टांडा पुल भी मरम्मत के चलते छह महीने से बंद है। पहले भारी वाहन इस रास्ते सुलतानपुर हाईवे पकड़कर लखनऊ की दूरी आसानी से तय कर लेते थे। अब वाहन चालकों को बलरामपुर के रास्ते ही निकलना एक विकल्प बचा है। ऐसे में समस्या बढ़ गई है। एएसपी श्यामकांत ने बताया कि बस्ती- अयोध्या फोरलेन पर भारी वाहनों का चलना 19 मार्च तक प्रतिबंधित कर दिया गया है।

महिला को दिलाई साइबर ठगी की रकम

रुधौली। थाना क्षेत्र में साइबर अपराध के खिलाफ पुलिस ने सफलता हासिल करते हुए ठगी की शिकार महिला की 63,931 रुपये वापस करा दिए। जानकारी के अनुसार, दिसंबर 2025 में नगर पंचायत रुधौली की बालेश्वरी नगर निवासी मीरा पत्नी सुशील कुमार ने साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। बताया गया था कि अज्ञात जालसाजों ने उसके खाते से 63,931 रुपये निकाल लिए है। इसके बाद साइबर सेल हरकत में आई और तकनीकी जांच शुरू कर दी। आरक्षी सर्वदानंद यादव व आरक्षी सतीश चंद्र की सक्रियता और साइबर टीम की सटीक ट्रैकिंग के चलते ठगों के नेटवर्क तक पहुंच बनाते हुए पूरी रकम पीड़िता के खाते में सुरक्षित वापस करा दिए।

डीएम को ज्ञापन सौंपना पड़ा भारी, छह सीएचओ का एक दिन का मानदेय बाधित

बस्ती। एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्ष सहित छह सीएचओ का एक दिन का मानदेय बाधित करते हुए मार्च 2026 की पीबीआई पर रोक लगा दी गई है। मांगों के समर्थन में एसोसिएशन के लोग सोमवार को डीएम कार्यालय गए थे। इसके बाद सीएमओ के स्तर से यह कार्रवाई की गई है। जिलाध्यक्ष प्रवेश पटेल का कहना है कि वह अवकाश लेकर ज्ञापन सौंपने गए थे, जबकि अन्य सीएचओ भी अपने अधीक्षक से अनुमति लेकर जिला मुख्यालय गए थे। उनके संगठन के प्रदेश नेतृत्व व एनएचएम कर्मचारी संघ की ओर से सीएमओ की ओर से की गई कार्रवाई पर आपत्ति जताते हुए पत्र प्रेषित किया गया है। चेतावनी दी गई है कि यदि कार्रवाई समाप्त नहीं की गई तो उनका संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा। सीएमओ डॉ. राजीव निगम की ओर से अधीक्षक सीएचसी बहादुरपुर, साऊंघाट, सल्टौआ को पत्र जारी कर कहा गया है कि 16 मार्च को सीएचओ प्रवेश पटेल, बरखा गौड़, देवेंद्र चौधरी, कौशल्या वर्मा, अरुण वर्मा, दीपेंद्र कुमार अपने कार्यस्थल से अनुपस्थित होकर सुबह 11 बजे डीएम कार्यालय पर मौजूद पाए गए, जो संविदा कर्मचारी आचरण नियमावली के विरुद्ध है।

पहले दिन कम आए परीक्षक जांची गई 15527 कॉपियां

बस्ती। यूपी बोर्ड हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य बुधवार से शुरू हो गया है। जिले के चार केंद्रों पर कॉपियों का मूल्यांकन कराया जा रहा है। पहले परीक्षकों की संख्या आधे से भी कम रही। इस वजह से हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में मिलाकर 15527 कॉपियां ही जांची जा सकी है। मूल्यांकन केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की नजर में कॉपियां जांचने की व्यवस्था बनाई गई है। जीजीआईसी में पहले केवल इंटरमीडिएट की 4143 कॉपियां जांची गई। यहां आवंटित 455 परीक्षकों में से केवल 202 लोग ही उपस्थित हुए। यहां इंटरमीडिएट की कुल एक लाख 16332 कॉपियां आवंटित की गई है। अब एक लाख 12189 कॉपियां शेष बची है। जीआरएस इंटर कॉलेज में हाईस्कूल की एक लाख 54410 उत्तर पुस्तिकाएं आवंटित होनी है। अभी तक 64970 कॉपियां उपलब्ध कराई जा चुकी है। पहले दिन यहां 4308 कॉपियां जांची गई है। 60662 कॉपियां शेष बची है। यहां भी परीक्षकों की संख्या आधे से कम रही। 789 परीक्षकों में से केवल 394 ही पहुंचे थे।

नवरात्रि में भक्तिमय हुआ लखनऊ

लखनऊ (संवाददाता)। चौत्र नवरात्रि के पहले दिन गुरुवार को राजधानी लखनऊ के प्रमुख देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मां दुर्गा के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच शहर का माहौल पूरी तरह भक्तिमय नजर आया। यहां लखनऊ समेत प्रदेशभर से देवी मां के दर्शन करने आ रहे हैं। शहर के विभिन्न मंदिरों में लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। भक्तों को कोई परेशानी ना हो इसके लिए सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। चन्द्रिका देवी मंदिर के पंडित राम गोपाल दुबे का कहना है कि ये एक प्राचीन मंदिर है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंच रहे हैं। नवरात्र के पहले दिन गुरुवार को भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही भक्त मंदिर में पहुंचने लगे समय बढ़ाने के साथ भक्तों की भीड़ बढ़ाने लगी। अब नवरात्र भर यहां मेला लगेगा। देवी दुर्गा का एक ही मंदिर है जिसकी वृहद मान्यता हैं। नवरात्र भर भक्त परिवार संग माँ दुर्गा के दर्शन कर उपासना करेंगे और माता दुर्गा से मन्नते मांगेंगे। बताया जाता है कि प्राचीन परंपरा के अनुसार यहाँ जो भक्त कराही (पूड़ी लपसी का चढ़ावा) देता है सकी मान्यता देवी मां अवश्य पूरा करती हैं। जिस भक्त की मान्यता पूरी हो जाती है।

फर्जी गोलीकांड का पर्दाफाश: दुश्मनों को फंसाने युवक ने स्वयं मारी थी गोली

■घायल फरियादी सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

■ ग्वालियर

स्वयं गोली मारकर दुश्मनों को फंसाने के षडयंत्र का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने फरियादी को दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बनाए गए लोगों से फरियादी की पुरानी रंजिश चल रही है उसी का बदला लेने के लिए युवक ने फर्जी गोली मारने की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस आरोपितों से घटना के बारे में पूछताछ कर रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि आरोन थाना क्षेत्र स्थित ग्राम बन्हेरी में हुए फर्जी गोली कांड का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। अजब सिंह ने स्वयं गोली मारी थी और अपने दुश्मनों को नाम ले लिया था। पुलिस को घटना वाले दिन ही मामला संदेहास्पद प्रतीत हो रहा था। पुलिस ने अजब सिंह नरेश रावत और रघुवीर के मोबाइलों की कॉल डिटेल आदि जानकारी निकाली तो सच्चाई सामने आ गई। आरोन थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अभिनव शर्मा ने जांच पड़ताल की तो गोलीकांड की परतें खुलती गईं। पुलिस ने अजब सिंह रावत, नरेश रावत और रघुवीर रावत को तत्काल दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। अजब सिंह ने पुलिस के सामने स्वयं को गोली मारने की घटना करना स्वीकार भी कर लिया। पुलिस ने अजब सिंह के पास से घटना में प्रयुक्त 315 बोर का कट्टा मय 01 खाली खोका व 02 जिंदा कारतूस बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने दुश्मनों को फंसाने के लिए स्वयं को गोली मारने और उसके दो साथियों पर आरोपियों द्वारा पुरानी दुश्मनी के चलते जानबूझकर षडयंत्रपूर्वक योजना तैयार की गई, जिससे प्रकरण में धारा 211,217,227, 228,229,231, 238 बीएनएस 25/27 आर्म्स एक्ट इजाफा की गई।

यह थी घटना

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर ने बताया कि 4 फरवरी को आरोन थाना क्षेत्र स्थित ग्राम बन्हेरी निवासी अजब सिंह रावत कमर में गोली लगने से घायल हो गया था। अजब सिंह को परिजन ट्रोमा सेंटर लेकर पहुंचे और पुलिस को फरियादी नीतेश पुत्र नंदकिशोर रावत ने बताया कि गांव में रहने वाले उमराव रावत, हरी उर्फ बनिया रावत, नरेश रावत, कैवरन रावत, धनसिंह रावत, रामराजा रावत, हरी सिंह रावत, रणवीर रावत, उदयभान रावत, मर्दन रावत, रन्धौर रावत, रामकिशन रावत ने घेरकर गोली मारी है। नरेश और रघुवीर को पुलिस ने घटना वाले दिन समझाने का प्रयास किया कि घटना संदेहास्पद प्रतीत हो रही है लेकिन फरियादी अजब सिंह और उनके परिजन पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाने लगे। पुलिस ने उस समय नीतेश की शिकायत पर 296, 115 (2), 126 (2), 109(1),191(2),191(3), 190 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया था। अजब सिंह ने अपने दुश्मनों को फंसाने के लिए स्वयं को गोली मार ली थी।

कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

ग्वालियर। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय का शासकीय उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय भिण्ड के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों के साथ शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान पुस्तकालय प्रभारी डॉ. रामनिवास शर्मा एवं सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष डॉ. हरीश भार्वे ने विद्यार्थियों को विभिन्न विभागों की जानकारी दी। उन्हें आरएफआईडी प्रणाली, ई-पुस्तकों, ग्रंथालय सॉफ्टवेयर एवं उपलब्ध संसाधनों के उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने जिज्ञासापूर्वक प्रश्न पूछे, जिनके संतोषजनक उत्तर दिए गए।

एयरफोर्स स्टेशन पर 3 दिवसीय कैंसर जांच शिविर

ग्वालियर। एयरफोर्स स्टेशन ग्वालियर में आयोजित तीन दिवसीय कैंसर जांच शिविर का सफल समापन हुआ। यह शिविर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ग्वालियर एवं एयरफोर्स हॉस्पिटल ग्वालियर के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य एयरफोर्स अधिकारियों, जवानों एवं उनके परिवारजनों को कैंसर जांच, जागरूकता और प्रारंभिक पहचान की सुविधा उपलब्ध कराना था। शिविर में डॉ. आर. के. जैन, डॉ. रजनी अग्रवाल, डॉ. रजत लोहिया, डॉ. देवराज सिंह, डॉ. मेघा साहू, डॉ. तमोघ्ना जना, डॉ. अश्विनी बघेल एवं डॉ. संतोष कुमार सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सेवाएं दीं। तीन दिनों में कुल 186 मरीजों की जांच की गई, जिसमें 126 मैमोग्राफी, 148 पैप स्मीयर एवं 2 बायोप्सी की गईं। एयरफोर्स अस्पताल के अधिकारियों और नर्सिंग स्टाफ के सहयोग से शिविर सुव्यवस्थित एवं प्रभावी रहा।

श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर के तृतीय स्तंभ पर चांदी चढ़ाने का कार्य शुरू

ग्वालियर। शहर के प्रसिद्ध श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर में स्थित तृतीय स्तंभ पर चांदी की परत चढ़ाने का कार्य प्रारंभ हो गया है। जिसे बनारस से आए कुशल कारीगरों द्वारा बड़ी ही बारीकी से किया जा रहा है। चांदी की परत चढ़ने का काम 3 से 4 दिनों में हो जाएगा। इसमें करीब 37 किलो चांदी का उपयोग किया जा रहा है। चांदी की बढ़ती कीमतों के बावजूद एक श्रद्धालु द्वारा 5 किलो चांदी का उदारतापूर्वक दान दिया गया है। हालांकि, मंदिर के अंतिम एक शेष स्तंभ के लिए अभी लगभग 37 किलो चांदी की आवश्यकता है। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं एवं भक्तों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में आगे आकर चांदी का दान करें, ताकि शेष कार्य भी शीघ्र पूरा किया जा सके। यह जानकारी न्यास के प्रबंधक राजेश पाराशर ने दी।

चित्रकूट से प्रशिक्षण लेकर लौटा जीवाजी विश्वविद्यालय का दल

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय का दल दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट में आयोजित राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर में सहभागिता कर लौटा। शिविर का उद्घाटन शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने किया, जबकि समापन समारोह में राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरु एवं अधिकारी उपस्थित रहे। जीवाजी विश्वविद्यालय दल का नेतृत्व डॉ. हरीशंकर कंसाना ने किया। उनके साथ डॉ. संजय कुमार पाण्डेय, डॉ. प्रदीप सिंह भदौरिया, डॉ. अशोक बिश्नोई, डॉ. देवेन्द्र कोली एवं डॉ. सरिता दीक्षित सहित स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शिविर में 600 स्वयंसेवक, 45 कार्यक्रम अधिकारी और जिला संगठक शामिल हुए। सात दिन तक नेतृत्व विकास, सांस्कृतिक, खेलकूद व सामुदायिक गतिविधियां आयोजित की गईं। जीवाजी विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चार पुरस्कार जीते। रितेश सेन व अंकिता ओझा ने रंगोली में प्रथम, ब्रह्मानंद ने पोस्टर में तृतीय तथा रितेश सेन व सलोनी ने रील्स प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया।

गणगौर क्वीन मोनिका सिंघल बनीं

ग्वालियर। अग्रकुल महिला समिति द्वारा प्री-गणगौर उत्सव का आयोजन एक होटल में किया। कार्यक्रम में महिलाओं ने राजपूतानी परिधानों में सज-धजकर अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की मनमोहक प्रस्तुति दी। संस्थापक अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल एवं रश्मि अग्रवाल ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को अपनी परंपराओं से जोड़ना और सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम के तहत 'गौर सजाओ' प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने मिट्टी से गौर की सुंदर प्रतिमाएं बनाकर पारंपरिक थालियों में सजाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'गणगौर क्वीन' प्रतियोगिता रही। इसमें सोलह श्रृंगार और पारंपरिक दोहों की प्रस्तुति के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। गणगौर क्वीन मोनिका सिंघल बनी। सपना अग्रवाल प्रथम और डिंपल गुप्ता द्वितीय रनर अप रहीं।

सकारात्मक सोच व सेवा भावना से ही समाज में बदलाव संभव

ग्वालियर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में नवांकुर योजना अंतर्गत प्रस्फुटन समितियों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद पंचायत बरई, विकासखंड घाटीगांव में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिला समन्वयक धर्मेंद्र दीक्षित ने युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सकारात्मक सोच और सेवा भावना से ही समाज में बदलाव संभव है। उन्होंने मोबाइल के बढ़ते दुष्प्रभावों पर चिंता जताते हुए युवाओं से जिम्मेदार बनने का आह्वान किया। ब्लॉक समन्वयक विनोद शर्मा ने परिषद के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से विकास योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही लक्ष्य है। परामर्शदाता ट्रेनर बृजेश गुर्जर ने बताया कि प्रस्फुटन समितियां गांव स्तर पर जागरूकता, स्वच्छता, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाती है।

गोबर खुले में फेंकने पर डेयरी संचालकों सहित कई पर जुर्माना

ग्वालियर। शहर को स्वच्छ और साफ बनाए रखने के लिए नगर निगम द्वारा गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को विभिन्न वार्डों में अभियान चलाकर डेयरी संचालकों, दुकानदारों और अन्य लोगों पर जुर्माना लगाया गया। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि निगम आयुक्त और अपर आयुक्त के निर्देशानुसार यह कार्रवाई की जा रही है। वार्ड 7, 8 और 15 में भैंस डेयरी संचालकों द्वारा गोबर खुले में फेंकने और नालियों में बहाने पर कुल 16,100 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

कार की टक्कर से गाय की मौत

भितरवार। क्षेत्र में गाय को कार से कुचलने की घटना सामने आने के बाद लोगों में भारी आक्रोश फैल गया है। बताया जा रहा है कि चीनौर के पास बनवार क्षेत्र में एक चार पहिया वाहन चालक ने कथित रूप से गौमाता को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, कार क्रमांक एमपी 07 2285 के चालक ने तेज रफ्तार में वाहन चलाते हुए गौमाता को कुचल दिया। टक्कर के बाद मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश और बढ़ गया है। लोगों का आरोप है कि यह कृत्य जानबूझकर किया गया है, जिससे उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने प्रशासन से आरोपी चालक की जल्द पहचान कर गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस में गार्ड की बंदूक व बैग चोरी

ग्वालियर। ट्रेन क्रमांक 11108 बुंदेलखंड एक्सप्रेस के स्लीपर कोच एस-6 में सफर कर रहे नैनी (प्रयागराज) निवासी निजी सुरक्षाकर्मी श्रीकांत पांडेय की डबल बैरल बंदूक और जेवर-नकदी से भरा बैग चोरी हो गया। वे पत्नी के साथ बर्थ 34-35 पर यात्रा कर रहे थे। नैनी से चलने के बाद सामान बर्थ के नीचे रखकर सो गए। झांसी तक सब सुरक्षित था, लेकिन दतिया पार होने के बाद आंख खुली तो बैग और बंदूक गायब थे। काफी तलाश के बाद टीटीई को सूचना दी गई। ग्वालियर पहुंचने पर जीआरपी ने जांच शुरू की, लेकिन देर रात तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई।

न्यायालय का फैसला: नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष का कठोर कारावास

■ ग्वालियर

नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले में विशेष न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए मुख्य आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। साथ ही पीड़िता को 2 लाख रुपए की प्रतिकर राशि एवं 10 हजार रुपए की क्षतिपूर्ति देने का आदेश भी दिया गया है।

यह फैसला विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट ग्वालियर के विशेष न्यायाधीश तरुण सिंह द्वारा सुनाया गया। न्यायालय ने आरोपी करू उर्फ भूपेंद्र सिंह गुर्जर निवासी सुमावली मुरैना को दोषी ठहराया है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रसन्न यादव ने बताया कि 9 मार्च 2025 को 14 वर्षीय पीड़िता घर से लापता हो गई थी। परिजनों की शिकायत पर थाना पुरानी छावनी में मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी भूपेंद्र सिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर पीड़िता को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और मुरैना क्षेत्र में एक सुनसान मकान में उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। बाद में 11 मार्च को पीड़िता को गोला का मंदिर क्षेत्र में छोड़ दिया गया और उसे जान से मारने की धमकी दी गई, जिसके कारण वह शुरू में घटना बताने से डरती रही। बाद में परिजनों के पूछने पर पीड़िता ने पूरी घटना बताई। पुलिस ने मेडिकल परीक्षण कराया, जिसमें पीड़िता के गर्भवती होने की पुष्टि हुई। डीएनए की जांच में आरोपी की संलिप्तता के प्रमाण मिले। जांच के बाद पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश किया।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने अभियोजन के तर्कों और साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए मुख्य आरोपी भूपेंद्र सिंह गुर्जर को दोषी करार दिया और उसे 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। वहीं, अन्य दो आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया। न्यायालय ने पीड़िता के पुनर्वास को ध्यान में रखते हुए 2 लाख रुपए की प्रतिकर राशि देने का आदेश भी पारित किया है।

कवि सम्मेलन में गूंजे संस्कृति और राष्ट्र चेतना के स्वर

ग्वालियर। नववर्ष की पूर्व संध्या पर पंडित दीनदयाल विचार मंच एवं भागवत साहित्य परिवार के संयुक्त तत्वावधान में शताब्दीपुरम में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के साहित्यकारों ने अपनी कविताओं और रचनाओं के माध्यम से हिंदू नववर्ष, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना के भावों को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मंच के संयोजक डॉ. कुलदीप चतुर्वेदी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरित भारतीय नववर्ष केवल कैलेंडर का परिवर्तन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीय चेतना का उत्सव है। कवि सम्मेलन में प्रस्तुत रचनाओं ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया और पूरे वातावरण को साहित्यिक ऊर्जा से भर दिया। आयोजन ने न केवल नववर्ष के स्वागत को खास बनाया, बल्कि भारतीय मूल्यों और परंपराओं के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया।

नव संवत्सर की पूर्व संध्या पर चौराहे दीपों से रोशन

ग्वालियर। नव संवत्सर की पूर्व संध्या पर शहर में श्रद्धा, उत्साह और देशभक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संगठनों द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों पर भारत माता की आरती कर दीप प्रज्वलित किए। इस अवसर पर वातावरण देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। साथ ही आमजन को मिठाई वितरित कर नव संवत्सर की शुभकामनाएं दी। आरोग्य भारती, सेवा भारती, अधिवक्ता परिषद, राष्ट्रीय सेविका समिति, मध्य भारत शिक्षा समिति, ग्राहक पंचायत, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, भारतीय जनता पार्टी, अभा विद्यार्थी परिषद सहित विभिन्न संगठनों ने माधव नगर गेट, नदी गेट, राजमाता चौराहा, विवेकानंद चौराहा, सूर्य नमस्कार चौराहा, हुजरात पुल चौराहा, हेमू कालानी चौराहा, बहोड़ापुर चौराहा, राम मंदिर चौराहा, पाताली हनुमान चौराहा, बैजाताल सहित शहर के प्रमुख चौराहों पर दीप प्रज्वलित कर राष्ट्र की समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

रामचरितमानस के साथ आरंभ होगा हनुमत जन्मोत्सव

ग्वालियर। शहर के गोलपाड़ा स्थित संकट मोचन हनुमान बालाजी धाम मंदिर में इस वर्ष हनुमान जी महाराज का जन्मोत्सव पांच दिवसीय भव्य कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। आयोजन में श्रद्धा और आस्था का विशेष माहौल रहेगा। वहीं राम-हनुमान रथ यात्रा इस उत्सव का मुख्य आकर्षण होगी। मंदिर के चरण सेवक जगबीर दास ने बताया कि यह आयोजन हर वर्ष की तरह इस बार भी हर्षोल्लास और धूमधाम से किया जा रहा है। 31 मार्च को प्रातः 10 बजे से रामचरितमानस (अखंड रामायण) पाठ के साथ उत्सव का शुभारंभ होगा। इसी क्रम में 1 अप्रैल को शाम 5 बजे सुंदरकांड पाठ एवं शाम 7:30 बजे सामूहिक हनुमान चालीसा का आयोजन किया जाएगा। 2 अप्रैल को प्रातः 4 बजे हनुमान जी का पंचामृत अभिषेक, चोला चढ़ाने एवं भव्य श्रृंगार किया जाएगा।

रेलवे की लापरवाही से चार घंटे लेट दौड़ी ट्रेन

पहले रद्द की बलराम एक्सप्रेस, फिर अचानक बहाल

■ ग्वालियर

रेलवे की एक और बड़ी लापरवाही ने यात्रियों को भारी परेशानी में डाल दिया। ग्वालियर-बलरामपुर एक्सप्रेस को पहले रद्द करने की घोषणा की गई और फिर अचानक इसे चलाने का आदेश जारी कर दिया गया। इस यू-टर्न फैसले ने यात्रियों की पूरी योजना बिगाड़ दी। कई यात्रियों ने पहले ही टिकट रद्द कर दूसरी ट्रेन पकड़ ली थी, जबकि जो स्टेशन पहुंचे, उन्हें घंटों इंतजार और अव्यवस्था का सामना करना पड़ा।

दरअसल, गोंडा-बुढवाल रेलखंड पर गोंडा कचहरी स्टेशन के पास तीसरी लाइन के निर्माण कार्य के चलते इस ट्रेन को दो दिन पहले रद्द कर दिया गया था। रेलवे की आधिकारिक सूचना के बाद यात्रियों ने अपने प्लान बदल लिए। लेकिन बुधवार को अचानक आदेश जारी कर दिया गया कि ट्रेन चलाई जाएगी। इसके बाद आनन-फानन में तैयारियां शुरू की गईं।

हालात ऐसे बने कि ट्रेन अपने निर्धारित समय पर रवाना ही नहीं हो सकी और करीब चार घंटे की देरी से ग्वालियर से निकली। इस बीच स्टेशन पर मौजूद यात्रियों को न तो स्पष्ट जानकारी मिल पाई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। सूचना तंत्र की इस नाकामी ने यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ा दीं।

यात्रियों में नाराजगी

अचानक फैसले और अव्यवस्था के चलते यात्रियों में भारी नाराजगी देखने को मिली। कई यात्रियों ने इसे रेलवे की गैरजिम्मेदाराना कार्यप्रणाली बताया। उनका कहना था कि अगर ट्रेन चलानी ही थी तो पहले रद्द क्यों की गई और अगर रद्द की थी तो फिर अचानक क्यों चालू कर दी गई।

बिना तैयारी के चलवाई ट्रेन, जल्दबाजी में मेंटेनेंस

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि जिस ट्रेन को रद्द मानकर खड़ा कर दिया गया था, उसका नियमित मेंटेनेंस भी नहीं किया गया था। यह ट्रेन मंगलवार सुबह दौंड से ग्वालियर आई थी और इसे आगे नहीं जाना था, इसलिए तकनीकी जांच भी लंबित रही। लेकिन जैसे ही ट्रेन चलाने का फैसला हुआ, रेलवे ने आनन-फानन में मेंटेनेंस शुरू कर दिया। सामान्य तौर पर इस प्रक्रिया में करीब छह घंटे का समय लगता है, लेकिन इसे मात्र चार घंटे में निपटाकर ट्रेन रवाना कर दी गई। ऐसे में सुरक्षा मानकों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

संघ आज बस्तीशः व मंडलशः मनाएगा वर्ष प्रतिपदा उत्सव

ग्वालियर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 19 मार्च को प्रातः बस्तीशः और मंडलशः वर्ष प्रतिपदा उत्सव मनाएगा। वर्ष प्रतिपदा के दिन ही आद्य सरसंघचालक डॉ.हेडगेवार जी का जन्मदिवस भी है। इसलिए स्वयंसेवक आद्य सरसंघचालक को प्रणाम भी करेंगे।

नेता प्रतिपक्ष हरिपाल को भ्रातृ शोक

ग्वालियर। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष हरिपाल के बड़े भाई रमेश पाल का गुरुवार को हृदय गति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन की खबर मिलते ही जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और परिचितों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। स्व. रमेश पाल की अंतिम यात्रा 19 मार्च को प्रात 9 बजे उनके निवास आपागंज हाथीखाना से लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम के लिए निकलेगी।

अगले वित्तीय वर्ष के लिए 13,852 करोड़ की ऋण योजना मंजूर

ग्वालियर। जिले के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु 13,852.44 करोड़ रुपए की संभावित ऋण योजना को मंजूरी दी गई है। यह निर्णय जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार एवं समीक्षा समिति की बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने की। नई ऋण योजना वर्तमान वित्तीय वर्ष की 12,542.57 करोड़ रुपए की योजना की तुलना में 10.44 प्रतिशत अधिक है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में निवेश और विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

सड़क हादसे में युवक गंभीर घायल

भितरवार। डबरा-भितरवार मुख्य सड़क मार्ग स्थित करियाबटी गांव के पास सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार हरिप्रसाद जाटव (45) गंभीर रूप से घायल हो गए। एंबुलेंस से उन्हें भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार डबरा निवासी हरिप्रसाद मोटरसाइकिल से भितरवार के सांसन में शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। अचानक गाय सामने आने से मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई।

छत से गिरकर 6 वर्षीय बच्ची गंभीर घायल

भितरवार। बेलगढ़ा थाना क्षेत्र के ग्राम चिटोली में बुधवार की शाम को एक मंजिल छत से गिरकर 6 वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार बुधवार की शाम को डिंपल शाक्य 6 वर्ष पुत्री बृजेश शाक्य निवासी चिटोली अपनी छत पर अन्य बच्चों के साथ खेल रही थी। अचानक खेलते हुए वह नीचे गिर गई। बच्ची की चीख सुनकर परिजन उसके पास पहुंचे और तत्काल निजी वाहन से भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।

बिजली का खम्भा गिरने से छात्रा की मौत

■ ग्वालियर

पुरानी छावनी थाना क्षेत्र में छात्रा की बिजली के खम्भे की चपेट में आकर मौत हो गई। पड़ोसी खम्भा पर बिजली सुधार रहा था तभी उसने वह तार काट दिया जिससे वह बंधा था। खम्भे की चपेट में आकर घायल छात्रा को परिजन चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। पठान मोहल्ला निवासी वसीम पुत्र शहाबुद्दीन खान के घर के सामने ही बिजली का खंभा लगा हुआ है। बुधवार दोपहर के समय खम्भे के पास ही उनकी भतीजी रजिया 14 वर्ष खड़ी थी। तभी पड़ोसी विशाल खान, सुहाना बेगम, ऋतिक बिजली के खम्भ पर अपनी लाइट सुधार रहे थे। बताया गया है कि विशाल खान ने उसे तार को काट दिया जिससे बिजली का खम्भा बंधा था। तार कटते ही खम्भ रजिया के ऊपर गिर पड़ा। खम्भे की चपेट में आकर घायल रजिया ने चिकित्सालय में दम तोड़ दिया। पुलिस ने घटना की जांच शुरु कर दी है।

कलर कोडिंग शिफ्ट का उल्लंघन करने वाले 58 ई-रिक्शा के किए चालान

ग्वालियर। शहर में ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संचालित ई-रिक्शा वाहनों को 12-12 घंटे की दो शिफ्टों में विभाजित कर उनका संचालन कराया जा रहा है जिससे एक ही समय पर ई-रिक्शा वाहनों की संख्या अधिक होने से यातायात बाधित ना हो और आमजन को सुगम एवं सुचारु रूप से यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सके। बुधवार को यातायात पुलिस ने ऐसे ई-रिक्शा वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जो नियमों को तोड़कर अपने वाहन चला रहे थे। यातायात पुलिस ने गोला का मंदिर चौराहे, हजीरा चौराहा, बारादरी चौराहा, मुरार, सदर बाजार, 07 नंबर चौराहा आदि स्थानों पर कलर कोडिंग का उल्लंघन करने वाले 58 ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 29 हजार रुपए का जुर्माना जमा कराया गया। कार्रवाई के दौरान यातायात गोला का मंदिर थाना प्रभारी अभिषेक रघुवंशी, कम्पू यातायात थाना प्रभारी धनंजय शर्मा और झांसी रोड यातायात थाना प्रभारी केपी तोमर मौजूद रहे।

खाना बनाने को कहा तो पति बना दरिंदा, पत्नी के साथ मारपीट

ग्वालियर, । लोडिंग चलाने के बाद घर पहुंचे पति का पारा उस समय चढ़ गया जब पत्नी ने उससे खाना बनाने की पूछ ली। गुस्साए पति ने पत्नी की जमकर धुनाई कर दी। किसी तरह पति से छूटकर पत्नी थाने पहुंची और पुलिस को आपबीती सुनाई। उपनगर ग्वालियर थाना क्षेत्र स्थित कोटवाला मौहल्ला धन्नालाल का बगीचा निवासी दीपक परिहार लोडिंग चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण करता है। दीपक लोडिंग चलाकर घर पहुंचा तभी पत्नी सुनीता उसके पास पहुंची और खाना बनाने के बारे में पूछा। खाने के बारे में सुनते ही दीपक का पारा चढ़ गया और उसने सुनीता को खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि जब खाना बनाने की कहता हूँ तब तो खाना बनाती नहीं। इसी बात को लेकर दोनों में बहस हो गई। जब बात ज्यादा बढ़ गई तो दीपक ने सुनीता की लात-घूंसों से धुनाई कर दी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दीपक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

बच्चों में संस्कार तभी आएंगे जब उन्हें संस्कृति से जोड़ा जाएगा

■ ग्वालियर

हिंदू नववर्ष 'गुड़ी पड़वा' की पूर्व संध्या पर श्री राम सेवा समर्पण समिति के तत्वावधान में अशोका सदन में नव संवत्सर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संत कृपाल सिंह महाराज, ढोली बुआ महाराज, मनीष अण्णा महाराज, उपेंद्र शिरगांवकर, बीके प्रहलाद, पं. दुर्गेश दीक्षित, पं. हरीश भार्गव, जीएम हिंग उपस्थित रहे। इस अवसर पर संत शिरोमणियों एवं वैदिक विद्वानों का सम्मान किया गया। अध्यक्षता आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने की। कार्यक्रम में संत कृपाल सिंह ने कहा कि सनातन संस्कृति की रक्षा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। ढोली बुआ महाराज ने वैदिक संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने का आव्हान किया। उपेंद्र शिरगांवकर ने कहा कि बच्चों में संस्कार तभी आएंगे जब उन्हें अपनी संस्कृति से जोड़ा जाएगा। मनीष अण्णा महाराज ने भगवान राम के आदर्शों को जीवन में अपनाने की बात कही। बीके प्रहलाद भाई ने समाज में प्रेम, भाईचारा और कुरीतियों के त्याग का संदेश दिया। संचालन धर्मेन्द्र ख्याति और आभार महेश मुदगल ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अभय पापरीकर, नवल शुक्ला, गोविंद गुप्ता, सुधीर शर्मा, डॉ. सत्यप्रकाश बत्रा, रामबाबू कटारे आदि उपस्थित रहे।

30 लाख की चोरी 19 लाख का माल बरामद, मास्टरमाइंड अब भी फरार

■ ग्वालियर

रेलवे स्टेशन पुनर्विकास कार्य में उपयोग होने वाले लाखों रुपये के सामान की चोरी के मामले में शासकीय रेल पुलिस (जीआरपी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। करीब 30 लाख रुपये की चोरी के इस मामले में अब तक 19 लाख रुपये का माल बरामद किया जा चुका है और पांच आरोपितों को गिरफ्तार भी किया गया है, लेकिन मुख्य साजिशकर्ता अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर है। इस पूरे मामले में एक मास्टरमाइंड की भूमिका सामने आई है, जिसने कथित तौर पर केपीसी कंपनी के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से निर्माण सामग्री की चोरी कर उसे ठिकाने लगाया। हैरानी की बात यह है कि जीआरपी अब तक इस मुख्य आरोपी की पहचान तक स्पष्ट नहीं कर पाई है। सूत्रों के मुताबिक, चोरी के इस नेटवर्क में किसी बड़े स्क्रैप कारोबारी की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस की ओर से इस दिशा में अब तक कोई ठोस खुलासा नहीं किया गया है, जिससे जांच की गति पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इधर, मामले में आगे की जांच के लिए जीआरपी ने अब रणनीति में बदलाव करते हुए केपीसी कंपनी के स्टोर का रिकॉर्ड तलब किया है। इस रिकॉर्ड के जरिए यह पता लगाया जाएगा कि किस सामग्री की स्टोर में एंट्री हुई और कौन सा सामान निर्माण कार्य के लिए कर्मचारियों को जारी किया गया। अधिकारियों का मानना है कि स्टोर रिकॉर्ड के मिलान से अब तक बरामद किए गए सामान की पुष्टि हो सकेगी और चोरी के पूरे नेटवर्क का खुलासा होने की संभावना है। हालांकि, मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी के बिना इस मामले की कड़ी अधूरी मानी जा रही है। स्थानीय स्तर पर इस मामले को लेकर चर्चाएं तेज हैं और लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी चोरी के बावजूद मुख्य आरोपी का फरार रहना जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है।

सम्पादकीय

कहां गुम हो गया वो भारत

मिल के होती थी कभी ईद भी दीवाली भी, अब ये हालत है कि डर डर के गले मिलते हैं। न मालूम ये पंक्तियां किसने लिखी हैं, लेकिन आज के माहौल में यह बिल्कुल सटीक बैठती हैं। हालांकि ईद के मुबारक मौके पर ऐसी पंक्तियां साझा करते हुए दुख भी हो रहा है, लेकिन हकीकत से मुंह चुरा कर हम कहां जाएंगे। त्योहार शब्द के साथ खुशी शब्द चस्पां हुआ करती थी, लेकिन बीते 12 सालों में अब त्योहार की परिभाषा और मायने भी बदले जा चुके हैं। जिन के पास धन-संपत्ति है, समाज में ताकत है, उनके लिए सारे त्योहार खुशियां लेकर आते हैं। लेकिन साधारण लोगों के लिए परेशानियां और तनाव त्योहार के सहउत्पाद (बायप्रोडक्ट) की तरह साथ चले आते हैं। उस पर भी अगर अल्पसंख्यकों के त्योहारों का वक्त आए, तो तनाव की रेखा कुछ ज्यादा गहरी और लंबी हो जाती है। बहुसंख्यक हिंदुओं को मोदी शासनकाल में यही पाठ पढ़ा दिया गया है कि अपने त्योहार की खुशी भी आप तभी सही तरीके से मनाएंगे, जब अल्पसंख्यकों को परेशान करेंगे। इसलिए होली हो या दीवाली, रामनवमी हो या हनुमान जयंती, मुसलमानों और ईसाइयों को चिढ़ाना कुछ लोगों ने अपना सच्चा धर्म बना लिया है। मंदिर में भजन-कीर्तन की जगह मस्जिदों या चर्चों के सामने ढोल बजाकर गाने-बजाने से ही भगवान सुनेंगे, ऐसा इन्हें लगता है। और जब मौका ईद या क्रिसमस का आए, तो अल्पसंख्यकों को उनकी हदों में रहकर त्योहार मनाने की चेतावनी दी जाती है, मानो ये देश उनका नहीं है। अभी क्रिसमस पर ही देश ने देखा है कि प्रधानमंत्री मोदी तो दिल्ली में चर्च जाकर बधाई दे रहे हैं, लेकिन मोदी को आदर्श मानने वाले लोगों ने देश के कई हिस्सों में चर्च में तोड़-फोड़ की या चर्च परिसर में बैठकर हनुमानचालीसा का पाठ किया। हैरानी की बात ये है कि ऐसा करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की खबर भी पूरी नहीं आती है। दिखाने को एकाध एफआईआर दर्ज हो भी जाए, तो आगे उन्हें सजा मिली या नहीं, ये कभी पता नहीं चलता। बाकी अल्पसंख्यकों को तो बिना कसूर के भी सजा देने का काम पुलिस से पहले उन्मादी भीड़ कर ही लेती है। कभी गो मांस के शक में, कभी गोतस्करी के शक में जो भीड़ द्वारा हत्याएं की गई हैं, वो इसका उदाहरण है। भीड़ तो उन्माद से संचालित हो जाती है, मगर ज्यादा दुख ये देखकर होता है कि अब अक्सर प्रशासन भी इसी तरह का उन्मादी व्यवहार दिखाने लगा है। कुछ समय पहले उत्तरप्रदेश में कुछ मुसलमानों को महज इसलिए कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा क्योंकि वे खाली घर में नमाज पढ़ रहे थे। कई बार खुले में नमाज पढ़ने को लेकर भी मुसलमानों को चेतावनी दी जा चुकी है। जबकि पांच वक्त की नमाज के पाबंद लोग अगर घर पर या मस्जिद के पास न हुए, तो किसी खाली जगह को देखकर कुछ मिनटों की नमाज पढ़ लें तो उसमें कोई हर्ज नहीं होना चाहिए। जब एयरपोर्ट पर गरबा हो सकता है, या क्लबों में भजन हो सकते हैं, तो नमाज क्यों नहीं पढ़ी जा सकती। लेकिन धर्म को खतरा बताकर जिस तरह लोगों के दिल-दिमाग पर ताले लगा दिए गए हैं, उसके बाद किसी भी समझदारी की उम्मीद करना बेमानी हो चुका है। हाल ही में उत्तरप्रदेश के संभल में मस्जिद में नमाजियों की संख्या 20 तक सीमित करने का आदेश प्रशासन ने दिया। यहां अच्छी बात यह रही कि इस आदेश को रद्द करते हुए जिलाधिकारी और एसपी को कड़ी फटकार लगाते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य का कर्तव्य है, और अगर अधिकारी इसे नहीं संभाल सकते तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए या ट्रांसफर करवा लेना चाहिए। काश कि अदालतें ऐसी ही सख्ती धर्मांधता को बढ़ावा देने वाले तमाम प्रकरणों पर ले तब शायद समाज का माहौल थोड़ा सुधरे। क्योंकि समाज में नफरत किस कदर फैल चुकी है, इसके कुछ भयावह उदाहरण रमजान में ही देखने मिले। पुणे में रोजा तोड़ रहे मुस्लिम युवकों के एक समूह पर भीड़ ने हमला किया, जिसमें कम से कम पांच लोग घायल हो गए। बिहार के मधुबनी जिले में एक मुस्लिम महिला, रोशन खातून को कथित तौर पर एक स्थानीय नेता से शिकायत करने के बाद भीड़ ने खंभे से बांधकर पीटा, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। आरोप है कि उसे पानी मांगने पर पेशाब पीने के लिए मजबूर किया गया। इस खबर को सुनकर ही दिल भीतर तक दहल गया कि आखिर दूसरे धर्म से नफरत करने में क्या अब हिंदुओं को रक्तपिपासु राक्षसों में तब्दील कर दिया गया है। एक घटना पंजाब के लुधियाना से सामने आई, जहां एक निजी विश्वविद्यालय में कश्मीरी मुस्लिम छात्रों ने शिकायत की कि उन्हें सहरी के लिए बासीध्ठंडा खाना और इफ्तारी के लिए खजूर की जगह केला दिया गया। विरोध करने पर उन्हें कथित तौर पर धमकाया गया। वाराणसी में गंगा नदी में नाव पर इफ्तार करने के दौरान चिकन बिरयानी खाने और हड्डियां नदी में डालने की शिकायत पर पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। हालांकि इस मामले में अंजुमन इंतजामिया मसाजिद, बनारस के संयुक्त सचिव एसएम यासीन का कहना है कि कुछ जाहिल नाव पर रोजा इफ्तार कर रहे थे।

युद्धकाल का संकट, राजनीति और नागरिक कर्तव्य

युद्धकाल के कारण पूरी दुनिया में आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो जाने के कारण तेल, गैस व अन्य उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हो रही है। चीन, जापान, कोरिया जैसे समृद्ध देश और पाकिस्तान, बांग्लादेश व श्रीलंका जैसे हमारे पड़ोसी देश पेट्रोल व डीजल की कीमतों में 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक की वृद्धि कर चुके हैं। अमेरिका-इजराइयल और ईरान युद्ध को प्रारंभ हुए 15 दिन का समय व्यतीत हो चुका है और अभी भी युद्ध का दायरा बढ़ ही रहा है। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध और आक्रामकता के कारण संपूर्ण विश्व में तेल और गैस की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। अन्य आवश्यक उत्पादों के जहाजों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। विश्व के तमाम देशों की सरकारें एवं विपक्षी दल कदम से कडम मिलाकर तेल, गैस व ऊर्जा संकट, आर्थिक अनिश्चितता तथा कार्यालयों के पलायन के कारण उत्पन्न हो रहे संकट का सामना कर रहे हैं। सभी देशों में सत्तापक्ष व विपक्ष मिलजुल कर कर रहे हैं वहीं भारत में विपक्ष इस संकट का उपयोग अपने ही देश को नीचा दिखाने के लिए कर रहा है। भारत में इस युद्ध तथा उससे उपजे वैश्विक संकट पर अलग ही राजनीति हो रही है। जब से युद्ध आरम्भ हुआ है भारत में लखनऊ से लेकर श्रीनगर और जम्मू कश्मीर के बडगाम जिले तक अमेरिका-इजराइल के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करने के लिए आक्रामक विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन कर रहे इन लोगों ने पहले कभी भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों निंदा तक नहीं की है। विपक्ष में बैठे राजनीतिक दल तथा उनके नेता इन प्रदर्शनों को हवा दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे आदि सरकार की विदेश नीति के खिलाफ अनवरत लेख लिख रहे हैं और किसी न किसी बहाने प्रधानमंत्री मोदी की छवि को नुकसान पहुंचाने के प्रयास कर रहे हैं। युद्धकाल के कारण पूरी दुनिया में आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो जाने के कारण तेल, गैस व अन्य उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हो रही है। चीन, जापान, कोरिया जैसे समृद्ध देश और पाकिस्तान, बांग्लादेश व श्रीलंका जैसे हमारे पड़ोसी देश पेट्रोल व डीजल की कीमतों में 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक की वृद्धि कर चुके हैं। कई देशों में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच रही है पड़ोसी पाकिस्तान में तो लॉकडाउन जैसे हालात पैदा हो गए हैं जबकि भारत मे पेट्रोल व डीजल के दाम काफी स्थिर हैं। भारत में केवल घरेलू रसोई गैस के दामों में ही 60 रुपए की वृद्धि की गई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युद्ध से पैदा हुए संकट पर स्वयं नजर रख रहे हैं। भारत के विदेश मंत्री तथा प्रधानमंत्री मोदी दुनियाभर के नेताओं के साथ संपर्क में हैं तथा आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने के लिए नए मार्ग ढूंढ रहे हैं। अभी तक भारत केवल 27 देशों से ही तेल व गैस की खरीदता था किंतु अब 40 देशों के साथ क्रय सम्बन्ध बनाए जा रहे हैं। विडंबना है कि विपक्ष इस संकट का उपयोग राजनीति के लिए कर रहा है। विपक्षी दल के नेता, आईटी सेल तथा कार्यकर्ता अपने आकाओं की शह पाकर अफवाह बाज बनकर सड़क पर आ गए हैं। बड़े नेता ऊपर संसद ठप कर रहे हैं और छोटे-बड़े जमाखोरों के साथ मिलकर आम जनमानस का पैनिक बटन दबाकर गैस सिलेंडर के लिए लंबी-लंबी कतारें लगवा रहे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं जबकि प्रधानमंत्री मोदी व उनकी सरकार की पहल का ही परिणाम है कि ईरान-अमेरिका-इजरायल जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट से दो भारतीय जहाज शिवालिक और नंदादेवी 927000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत आ रहे हैं। भारत सरकार व अधिकारियों के प्रयास से ही फारस की खाड़ी में सभी भारतीय सुरक्षित हैं। भारत के 253 नाविक अब तक सुरक्षित वापस आ चुके हैं। भारत सरकार ऊर्जा आपूर्ति और नागरिक सुरक्षा पर पर्याप्त ध्यान दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी कैबिनेट की बैठक में अपने मंत्रियों से स्पष्ट कर चुके हैं कि युद्ध का असर आम जनता पर नहीं पड़ना चाहिए। युद्धकाल में जो लोग भारत की विदेश नीति को फेल बताने वालों को स्मरण रखना चाहिए कि कि जब संघर्ष के कारण उड़ानें प्रभावित होने पर कई ईरानी नागरिक भारत में फंस गए थे भारत ने ही उन्हें ईरान की सहायता से उनके देश पहुँचाया। वहीं युद्ध के बीच 1.72 लाख भारतीय सकुशल भारत वापस आए हैं। भारत सरकार युद्धकाल में जनता को कोई समस्या न हो इसके लिए लगातार कार्य कर रही है किंतु क्या हम सभी नागरिक अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं? परिस्थितियां इसका उत्तर नहीं में दे रही हैं। यदि नागरिक भी कर्त्तव्य बोध से बंधे होते तो आज देश में गैस सिलेंडर को लेकर जो पैनिक मचा हुआ है वह न होता। ऊर्जा संकट की आहट मात्र से अफवाह बाज सक्रिय हो गए और ऐसी अफवाहें उड़ाई गई कि जमाखोरी और कालाबाजारी शुरू हो गई है। जिन घरों मे एक या दो भरे हुए एलपीजी सिलिंडर मौजूद हैं वो भी हल्ला मचा रहे हैं। प्रतिदिन होने वाली सिलिंडर बुकिंग 55 लाख से बढ़कर 75 लाख हो गई। देशभर मे अजीब नजारे देखने को मिल रहे हैं। जो परिवार 853 रुपए का गैस सिलेंडर खरीदने में भार का अनुभव करते थे अब वही लोग चोर बाजार से 3500 तक का सिलेंडर खरीदने की हैसियत दिखा रहे हैं। समाज मे नैतिकता व सदाचार की कमी के कारण ही जमाखोरी व कालाबाजारी एक सामाजिक बुराई का रूप ले चुकी है। युद्धकाल में देशवासियों का एक बहुत बड़ा वर्ग कर्तव्य से विमुख होकर अपने लिए मुनाफे का अवसर खोज रहा है। अभी भारत का युद्ध से कोई सबंध नहीं है और यह युद्ध भारत से बहुत दूर हो रहा है तब भी जिस प्रकार का पैनिक भारत में हुआ है वह कुछ भारतीयों की ही विकृत मानसिकता को प्रदर्शित कर रहा है।

सभी देशों में सत्तापक्ष व विपक्ष मिलजुल कर कर रहे हैं वहीं भारत में विपक्ष इस संकट का उपयोग अपने ही देश को नीचा दिखाने के लिए कर रहा है। भारत में इस युद्ध तथा उससे उपजे वैश्विक संकट पर अलग ही राजनीति हो रही है। जब से युद्ध आरम्भ हुआ है भारत में लखनऊ से लेकर श्रीनगर और जम्मू कश्मीर के बडगाम जिले तक अमेरिका-इजराइल के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करने के लिए आक्रामक विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन कर रहे इन लोगों ने पहले कभी भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों निंदा तक नहीं की है। विपक्ष में बैठे राजनीतिक दल तथा उनके नेता इन प्रदर्शनों को हवा दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे आदि सरकार की विदेश नीति के खिलाफ अनवरत लेख लिख रहे हैं और किसी न किसी बहाने प्रधानमंत्री मोदी की छवि को नुकसान पहुंचाने के प्रयास कर रहे हैं। युद्धकाल के कारण पूरी दुनिया में आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो जाने के कारण तेल, गैस व अन्य उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हो रही है। चीन, जापान, कोरिया जैसे समृद्ध देश और पाकिस्तान, बांग्लादेश व श्रीलंका जैसे हमारे पड़ोसी देश पेट्रोल व डीजल की कीमतों में 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक की वृद्धि कर चुके हैं। कई देशों में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच रही है पड़ोसी पाकिस्तान में तो लॉकडाउन जैसे हालात पैदा हो गए हैं जबकि भारत मे पेट्रोल व डीजल के दाम काफी स्थिर हैं। भारत में केवल घरेलू रसोई गैस के दामों में ही 60 रुपए की वृद्धि की गई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युद्ध से पैदा हुए संकट पर स्वयं नजर रख रहे हैं। भारत के विदेश मंत्री तथा प्रधानमंत्री मोदी दुनियाभर के नेताओं के साथ संपर्क में हैं तथा आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने के लिए नए मार्ग ढूंढ रहे हैं। अभी तक भारत केवल 27 देशों से ही तेल व गैस की खरीदता था किंतु अब 40 देशों के साथ क्रय सम्बन्ध बनाए जा रहे हैं। विडंबना है कि विपक्ष इस संकट का उपयोग राजनीति के लिए कर रहा है। विपक्षी दल के नेता, आईटी सेल तथा कार्यकर्ता अपने आकाओं की शह पाकर अफवाह बाज बनकर सड़क पर आ गए हैं। बड़े नेता ऊपर संसद ठप कर रहे हैं और छोटे-बड़े जमाखोरों के साथ मिलकर आम जनमानस का पैनिक बटन दबाकर गैस सिलेंडर के लिए लंबी-लंबी कतारें लगवा रहे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं जबकि प्रधानमंत्री मोदी व उनकी सरकार की पहल का ही परिणाम है कि ईरान-अमेरिका-इजरायल जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट से दो भारतीय जहाज शिवालिक और नंदादेवी 927000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत आ रहे हैं। भारत सरकार व अधिकारियों के प्रयास से ही फारस की खाड़ी में सभी भारतीय सुरक्षित हैं। भारत के 253 नाविक अब तक सुरक्षित वापस आ चुके हैं।

पाकिस्तान की निरंतर शत्रुता के पीछे का अर्थशास्त्र

के.एम. चंद्रशेखर

सोमवार को काबुल में एक पुनर्वास केंद्र पर हुई बमबारी में 400 से अधिक लोग मारे गए। यह घटना इस तथ्य की नवीनतम पुष्टि है कि पाकिस्तानी सेना का मूल उद्देश्य अपनी सीमाओं के पार और भीतर युद्ध करना है। एक वर्ष के भीतर ही इसने पश्चिम में अफगानों, भीतर बलूच लोगों और पूर्व में भारतीयों से युद्ध किया है। लेकिन भारत के साथ इसके टकराव का इतिहास इस बात को सबसे स्पष्ट रूप से दशार्ता है। अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह दोनों ही भारत-पाकिस्तान संबंधों में व्याप्त शत्रुता और हिंसा के चक्र को तोडना चाहते थे। 1999 में लाहौर की बस यात्रा, जब प्रधानमंत्री वाजपेयी ने अपने समकक्ष नवाज शरीफ से मिलने के लिए दिल्ली-लाहौर की पहली बस सेवा से यात्रा की, तो यह स्पष्ट रूप से पुराने मतभेदों को भुलाने का एक प्रयास था। 2001 का आगरा शिखर सम्मेलन और 2003 का श्रीनगर समझौता, जिसके दौरान उन्होंने 1999 के कारगिल आक्रमण और 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बावजूद एक बार फिर पाकिस्तान की ओर मित्रता का हाथ बढ़ाया, नए सिरे से संबंध स्थापित करने के उदार प्रयास थे। मनमोहन सिंह ने 2006 में अमृतसर में बोलते हुए कहा, सीमाओं को फिर से नहीं खींचा जा सकता लेकिन हम उन्हें महत्वहीन बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं, नियंत्रण रेखा के दोनों ओर के लोगों को अधिक स्वतंत्रता से आवागमन करने और एक-दूसरे के साथ व्यापार करने में सक्षम होना चाहिए।दोनों पक्षों के बीच बेहतर आपसी समझ की रूपरेखा आकार ले रही थी, जिसमें मुक्त व्यापार के लिए अधिक खुली सीमा, एक संयुक्त परामर्श तंत्र, चरणबद्ध विसैन्यीकरण और सीमा के दोनों ओर कश्मीर में अधिक स्वशासन शामिल था। विश्वास कायम करना ही मुख्य लक्ष्य था। फिर, विनाशकारी प्रभाव के साथ, 26ध्11 की घटना घटी। जिस प्रकार कारगिल संघर्ष लाहौर बस कूटनीति के बाद हुआ था, उसी प्रकार भारतीय संसद पर हमला आगरा शिखर सम्मेलन के बाद हुआ था। जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने भी पाकिस्तान के साथ शांति का एक नया ढांचा बनाने का प्रयास किया। उन्होंने नवाज शरीफ को अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया। उन्होंने 2 अंतर्राष्ट्रीय बैठकों के दौरान शरीफ से मुलाकात की और सबसे आश्चर्यजनक बात यह थी कि उन्होंने राजनयिक प्रोटोकॉल तोड़ते हुए 2015 के क्रिसमस के दिन नवाज शरीफ के 66वें जन्मदिन और रायविंड में उनकी पोती की शादी के समारोह में भाग लेने के लिए पाकिस्तान की यात्रा की। कुछ ही हफ्तों में, इसका जवाब आया-पठानकोट स्थित हमारे वायुसेना अड्डे पर हमला और उरी स्थित हमारे सैन्य अड्डे पर भी। यह पैटर्न स्पष्ट है, यहां तक कि पूवार्नुमानित भी है-शांति स्थापित करने के प्रयास, जिसके तुरंत बाद पाकिस्तान की ओर से ङ्क्षहसा भड़क उठती है। आयशा सिद्दीका की 2007 में प्रकाशित पुस्तक मिलिट्री इंक रू इनसाइड पाकिस्तान्स मिलिट्री इकोनॉमी इस बात को बाखूबी समझाती है। वह बताती हैं कि पाकिस्तानी सेना को राज्य से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिलती और वह संसद के प्रति जवाबदेह नहीं है। इसकी बजाय, यह एक आत्मनिर्भर आर्थिक संस्था है, जो सामान्य वित्तीय नियंत्रणों से परे काम करती है। फौजी, शाहीन, बहरिया और आर्मी जैसे सैन्य कल्याणकारी संस्थानों के माध्यम से यह संस्था अपना काम करती है। सेना की विभिन्न शाखाएं उच्च शिक्षा संस्थान संचालित करती हैं, फौजी सीरियल्स और फौजी फूड्स खाद्य व्यवसाय में हैं और कैंटीन स्टोर्स विभाग देश भर में एक बड़ी खुदरा श्रृंखला चलाता है। इसके अलावा फौजी सीमेंट कंपनी और अस्कारी गार्ड्स और फौजी सिक्योरिटी सध्वसेज जैसी सुरक्षा कंपनियां भी हैं। ये व्यवसाय भारी मुनाफा कमाते हैं, जिसे रीयल एस्टेट में लगाया जाता है, जिसका नेतृत्व रक्षा आवास प्राधिकरण करता है, जो सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों को शहरी और कृषि भूमि के बड़े-बड़े हिस्से आबंटित करता है। सैन्य व्यापार या जैसा कि सिद्दीका इसेमिलबस कहती हैं, के उदय ने लश्कर-ए-तोयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी समूहों को जन्म दिया, जिनका मुख्य उद्देश्य भारत पर हजारों घाव दागना था, हालांकि अब पाकिस्तान को परेशान करने के लिए तहरीक-ए-तालिबान उभर कर सामने आई है। अंततरू, भारत पाकिस्तान के साथ ऐसे व्यवहार में नहीं आ सकता जो सेना द्वारा शासित है, भले ही वहां चुनी हुई सरकार होने का दिखावा हो। निरंतर शत्रुता के बिना पाकिस्तानी सेना अपनी सुख-सुविधाओं को बरकरार नहीं रख सकती। न ही वह सच्चे लोकतंत्र को विकसित होने दे सकती है। इसलिए, इस क्षेत्र में शांति एक दूर का सपना है।

ईरान युद्ध में नाटो से अलग-थलग पड़े ट्रंप की परीक्षा की घड़ी

नित्य चक्रवर्ती

अब तक, यह एक हवाई युद्ध रहा है, जिसमें कुछ ही अमेरिकी जानें गई हैं। घायलों की संख्या भी लगभग 200 ही है। लेकिन अगर ट्रंप जमीनी सैनिकों का इस्तेमाल करते हैं, तो मरने वालों की संख्या हजारों में होगी। नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के इस साल में, यह ट्रंप के लिए एक राजनीतिक आपदा साबित होगी। रुझान पहले से ही दिख रहे हैं। बुधवार को, अमेरिका-इजरायल गठबंधन के ईरान के खिलाफ युद्ध के 18वें दिन, ट्रंप को एक साथ दो बुरी खबरें मिलीं। इन खबरों ने उन्हें इस बात पर सोचने पर मजबूर कर दिया कि ईरान को अमेरिकी ताकत के आगे झुकाने के लिए उन्हें अपनी अगली रणनीति कैसे बनानी चाहिए। पहली खबर यह थी कि यूरोपीय सरकारों ने ट्रंप के उस अनुरोध का जवाब देने से इनकार कर दिया है, जिसमें उन्होंने तेल टैंकरों के सुरक्षित मार्ग के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने युद्धपोत भेजने की मांग की थी। दूसरी खबर यह थी कि ईरान अब होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को तभी गुजरने दे रहा है, जब वे भुगतान डॉलर में नहीं, बल्कि चीनी युआन में करें। इसका मतलब है कि चीन और ईरान के बीच कोई समझौता हो गया है, हालांकि उसकी शर्तें अभी पता नहीं चली हैं। लेकिन इसका कुल नतीजा यह निकला है कि चीन, तेहरान के पूरे समर्थन के साथ, ईरान द्वारा की गई होर्मुज नाकेबंदी का फायदा उठा रहा है और पैसे कमा रहा है। ट्रंप के लिए, यह खबर इससे बुरे समय पर नहीं आ सकती थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट को मनाया कि वे चीनी व्यापार मंत्री

ही लिफांग के साथ एक बैठक तय करें, ताकि इस साल अप्रैल में बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ होने वाली उनकी बैठक के लिए जमीन तैयार की जा सके। ईरान युद्ध के माहौल के बीच चीन ने हिचकिचाते हुए ऐसी बैठक के लिए सहमति दी। यह बैठक रविवार को पेरिस में शुरू हुई और सोमवार को भी जारी रही। व्हाइट हाउस ने अपनी तरफ से 31 मार्च से 2 अप्रैल तक शिखर सम्मेलन की तारीखें तय कर दी थीं, लेकिन चीन की तरफ से इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई थी। असल में, ट्रंप पेरिस बैठक का इस्तेमाल एक श्धारेश के तौर पर करना चाहते थे, ताकि चीन को अपने पाले में रखा जा सके। वे यह संकेत देना चाहते थे कि वे चीनी राष्ट्रपति के साथ बैठक करने के लिए इतने उत्सुक हैं कि वे उस ऐतिहासिक व्यापार समझौते और अन्य विवादित मुद्दों पर आपसी समझ को अंतिम रूप देना चाहते हैं। लेकिन ट्रंप की यह चाल कामयाब नहीं हुई। अब वे गुस्से से आग-बबूला हैं। उन्होंने घोषणा की है कि चीन का प्रस्तावित दौरा टाल दिया जाएगा, हालांकि व्हाइट हाउस के सूत्रों का कहना है कि शिखर सम्मेलन अप्रैल के अंत तक हो जाना चाहिए। ट्रंप ने चीन से भी होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज भेजने का वही अनुरोध किया था, लेकिन चीन ने भी यूरोपीय देशों की तरह ही इस अनुरोध को ठुकरा दिया। इस तरह, दोनों ही पक्षों ने ट्रंप की बात मानने से इनकार कर दिया। जहां तक यूरोप की प्रतिक्रिया का सवाल है, वह ट्रंप के लिए इतनी परेशान करने वाली थी कि उन्होंने कहा कि यूरोप का यह रुख नाटो के लिए बहुत बुरा है। इस बात के काफी संकेत थे कि वह नाटो के इन यूरोपीय सदस्यों के खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगे। जर्मनी की प्रतिक्रिया ट्रंप के लिए सबसे ज्यादा चिंताजनक थी। जर्मनी ने किसी भी सैन्य गतिविधि में हिस्सा लेने से साफ इनकार कर दिया, जिसमें जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के प्रयास भी शामिल थे। चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा, हस्तक्षेप करना है या नहीं, इस पर कभी कोई संयुक्त फैसला नहीं हुआ था। इसीलिए यह सवाल ही नहीं उठता कि जर्मनी के सैन्य रूप से योगदान देगा। हम ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहा, इस ईरानी शासन का अंत होना ही चाहिए, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि पिछले वर्षों और दशकों में हमने जो अनुभव हासिल किया है, उसके आधार पर, बमबारी करके उसे घुटने टेकने पर मजबूर करने जैसा तरीका, पूरी संभावना है कि सही तरीका नहीं है। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने कहा, यह हमारा युद्ध नहीं है, हमने इसे शुरू नहीं किया है। डोनाल्ड ट्रंप होर्मुज जलडमरूमध्य में मुत्र्ठी भर यूरोपीय युद्धपोतों से ऐसी क्या उम्मीद करते हैं, जिसे शक्तिशाली अमेरिकी नौसेना अकेले नहीं संभाल सकती? यही वह सवाल है जो मैं खुद से पूछ रहा हूं।श ब्रिटेन,फ्रांस और इटली ने भी जर्मन राष्ट्रपति के विचारों का समर्थन किया और यह साफ कर दिया कि वे ट्रंप के अनुरोध के अनुसार होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्धपोत भेजने की स्थिति में नहीं हैं।

कांग्रेस को रवैया बदलने की जरूरत

असम चुनाव से कुछ पहले भाजपा ने कांग्रेस को तोड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। असम से कांग्रेस के लोकसभा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि यह फैसला उनके लिए बेहद कठिन था क्योंकि उन्हें कांग्रेस पार्टी के अंदर कई मुद्दों पर लगातार अपमान का सामना करना पड़ रहा था। इस अपमान का बदला श्री बोरदोलोई ने अब भाजपा की सदस्यता लेकर पूरा किया है। इससे पहले भूपेन बोरा भी इसी तरह की नाखुशी संगठन से जताकर अलग हुए थे और फौरन ही भाजपा के खेमे में चले गए। आखिर चुनावों से पहले ही मान-अपमान का ख्याल दल बदल करने वाले नेताओं को कैसे आता है, यह सवाल अब तक अनुत्तरित है। ऐसा नहीं है कि केवल कांग्रेस में ही दल बदल का सिलसिला चलता है, कमोबेश सभी पार्टियां इसका शिकार हैं। लेकिन खास बात ये है कि जिस राज्य में कांग्रेस मजबूती से भाजपा को चुनौती देती है, वहां इस तरह की फूट ज्यादा दिखाई देती है। इस समय असम ऐसा ही एक राज्य है, जहां इस बार भाजपा के सामने सत्ता बचाने की चुनौती है। गौरव गोगोई को असम कांग्रेस का अध्यक्ष बनाकर आलाकमान ने एक बड़ा दांव चला और गोगोई के तेवर जैसे संसद में भाजपा के लिए तीखे रहते हैं, असम में भी हिमंता बिस्वासरमा के सामने वैसे ही तीखे बने हुए हैं। बिस्वासरमा ने गौरव गोगोई को पाकिस्तान का एजेंट बताने जैसे गंभीर आरोप तक लगाए हैं, मगर इनसे पीछे हटने की बजाए गौरव गोगोई सामने आकर बिस्वासरमा को चुनौती दिए जा रहे हैं। बीते दिनों जिस तरह प्रियंका गांधी ने असम में धुआंधार बैठकें कर राज्य इकाई को मजबूत करने की कोशिश की और अब टिकट वितरण का काम जमीनी रिपोर्ट के आधार पर शुरू हुआ है, उसमें भी नजर आ रहा है कि कांग्रेस से इस बार भाजपा को कड़ी टक्कर मिलने वाली है। भाजपा के लिए एंटी इनक्मबेंसी भी एक बड़ी चुनौती है। इन चुनौतियां का सामना करने के लिए भाजपा के पास सबसे सुविधाजनक तरीका यही है कि कांग्रेस में फूट डलवाई जाए। प्रद्युत बोरदोलोई और राज्य कांग्रेस के उपाध्यक्ष नवज्योति तालुकदार का पार्टी छोड़ना इसका प्रमाण है। प्रद्युत बोरदोलोई ने अपने इस्तीफे के बारे में कहा कि श्मैंने अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों में से एक को छोड़ दिया है और इसके लिए मैं खुश नहीं हूं। लेकिन मैंने यह निर्णय इसलिए लिया क्योंकि कांग्रेस पार्टी, विशेष रूप से असम कांग्रेस के भीतर, मुझसे संपर्क करने वाले लोग मुझे बार-बार अपमानित कर रहे थे। कांग्रेस नेतृत्व भी मेरे प्रति सहानुभूति नहीं दिखा रहा था।श गौरतलब है कि बोरदोलोई 1998 से 2016 तक चार बार विधायक रहे। 2001 से 2015 के बीच असम की कांग्रेस सरकार में महत्वपूर्ण मंत्री पद भी संभाले। और फिर नौगांव से दो बार सांसद रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें आलाकमान से शिकायत है। उनका कहना है कि उनके संसदीय क्षेत्र से एक कांग्रेस विधायक आसिफ नजर के करीबी ने बीते पंचायत चुनाव के दौरान उन पर हमला करवाया था। अब उनका सवाल है कि एक अपराधी को टिकट कैसे दे सकते हैं। बोरदोलोई का कहना है कि जब 13 मार्च को दिल्ली में कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में असम चुनाव के लिए स्क्रीनिंग कमिटी के सदस्य सांसद इमरान मसूद ने उनके आरोपों को श्झूठाश करार दिया और गोगोई चुप रहे। इससे उनके श्आत्म-सम्मानश को ठेस पहुंची। आत्मसम्मान की आड़ लेकर बोरदोलोई ने कांग्रेस छोड़ी और अब शायद सम्मान की तलाश में भाजपा चले गए हैं। वहीं असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नवज्योति तालुकदार ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में नवज्योति तालुकदार ने पार्टी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। यहां भी सवाल वही है कि आखिर अपनी ही पार्टी की कार्यप्रणाली ऐन चुनाव के पहले तालुकदार को नागवार क्यों गुजरने लगी। दरअसल दलबदल के लिए एक पुख्ता बहाना चाहिए ही होता है, तो अपमान का फैक्टर इसमें सबसे कारगर साबित होता है, क्योंकि इसमें जनता की सहानुभूति मिल जाती है। हालांकि असल में इसमें जनता का अपमान होता है, जिसने इससे पहले आपके काम और विचारधारा के लिए आपको अपना प्रतिनिधि बनाया, लेकिन आपने अपनी विचारधारा ऐसे बदली जैसे कोई वस्त्र बदलता है। वैसे यहां थोड़ी गलती कांग्रेस की भी है, आखिर उसे बगावत के बारे में तभी कैसे पता चलता है जब कोई खेल कर चुका होता है। मध्यप्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया पर भी कांग्रेस उम्मीद लगाए बैठे हुई थी कि वे पार्टी को नहीं छोड़ेंगे, लेकिन सिंधिया ने अपने साथ 22 और विधायकों को तोड़ लिया और कांग्रेस को खबर भी नहीं हुई। ऐसी बेखबरी के साथ राजनीति तो नहीं की जा सकती, खासकर तब जब सामने भाजपा जैसा प्रतिद्वंद्वी मौजूद हो, जो साम, दाम, दंड, भेद सबका इस्तेमाल करके चुनाव जीतने में यकीन रखे। विधानसभा से पहले राज्यसभा में भी भाजपा का यही खेल बिहार, ओडिशा और हरियाणा में नजर आया। इन तीन राज्यों में कांग्रेस के कुल 11 विधायकों ने पार्टी के निर्देशों की अवहेलना की है।

मौसा के साथ गई लड़की की न्यूड लाश मिली

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में 17 साल की लड़की की न्यूड लाश मिली है। वह बुधवार को अपने मौसा के साथ घर से निकली थी। कुछ देर बाद मौसा ने उसके भाई को फोन अपहरण की जानकारी दी। कहा- तुम्हारी बहन को कार में जबरिया बैठाकर कुछ लोग ले जा रहे हैं, मैं उनका पीछा कर रहा हूं। घरवाले पहुंचे तो मौसा गांव के बाहर बेहोशी की हालत में मिले। कुछ दूरी पर गोमती नदी के किनारे लड़की के कपड़े, अंडरगार्मेंट्स भी परिवार को मिले। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एसडीआरएफ की मदद से घटना स्थल के पास गोमती नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया। रात में गोताखोरों ने खोजा लेकिन लड़की का पता नहीं चला। गुरुवार को सुबह 9 बजे लड़की की न्यूड लाश मिली। वारदात मड़ियांव क्षेत्र की है। लड़की का शव, घैला पुल के पास मिला है। भाई की तहरीर पर पुलिस ने रेप और हत्या का केस दर्ज कर लड़की के मौसा को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मौसा ने अपहरण की झूठी कहानी रची। उसने बताया कि वह लड़की को ऑटो में लेकर जा रहा था जबकि सीसीटीवी में लड़की को बाइक से ले जाता दिख रहा। घरवालों के मुताबिक, लड़की घैला पुल के पास स्थित एक कॉलोनी में अपने मौसा के घर रहती थी।

फैटी लिवर के मरीजों को भूलकर भी नहीं करनी चाहिए ये गलतियां, वरना जान तक भी जा सकती है

फैटी लिवर एक गंभीर बीमारी है, हमारे देश की एक बड़ी आबादी इस बीमारी से ग्रसित है। ध्यान देने वाली बात यह है कि अगर इस बीमारी के मरीज कुछ बातों का ध्यान नहीं रखते हैं तो ये उनके लिए जानलेवा भी साबित हो सकती है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। फैटी लिवर आज के समय में एक बड़ी बीमारी बन चुकी है, जो आधुनिक जीवनशैली और गलत खान-पान की वजह से तेजी से पैर पसार रहा है। अक्सर लोग लिवर में सूजन या हल्की चर्बी को सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह लापरवाही भविष्य में लिवर सिरोसिस या लिवर फेलियर जैसी जानलेवा स्थितियों का आधार बनती है। जब लिवर अपनी क्षमता से अधिक फैट जमा करने लगता है, तो इसकी कार्यक्षमता घटने लगती है और शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलने बंद हो जाते हैं। यह स्थिति केवल शराब पीने वालों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'नॉन-अल्कोहलिक

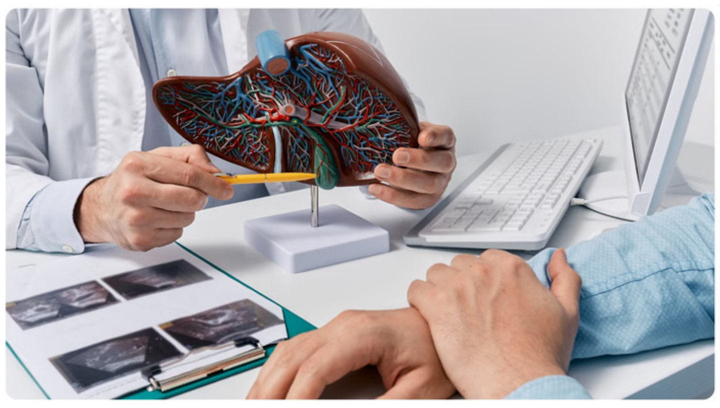

फैटी लिवर' अब बच्चों और युवाओं में भी आम हो गया है। अब ध्यान देने वाली बात यह है कि अगर कोई इस समस्या से जूझ रहा है, तो कुछ ऐसी सामान्य लगने वाली गलतियां हैं जो आपके लिवर को हमेशा के लिए बर्बाद कर सकती हैं। इन गलतियों को समय रहते पहचानना और सुधारना आपकी सेहत को ठीक कर सकता है।

फैटी लिवर के मरीजों के लिए कौन सी आदतें सबसे खतरनाक हैं?

फैटी लिवर होने पर शरीर को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है, लेकिन ये गलतियां स्थिति बिगाड़ सकती हैं-

कोल्ड ड्रिंक्स और पैकेज्ड जूस में मौजूद चीनी लिवर में सीधे फैट के रूप में जमा होती है।

बिना डॉक्टर की सलाह के पेनकिलर्स या सप्लीमेंट्स लेना लिवर पर दबाव बढ़ाता है।

देर रात भोजन करना रात के समय मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देता है, जिससे खाया गया फैट सीधे लिवर में स्टोर हो जाता है।

शारीरिक व्यायाम की कमी चर्बी को बर्न करने के बजाय उसे लिवर के चारों ओर जमा करती है।

क्या फैटी लिवर का इलाज न करने पर जान जा सकती है?

जी हां, फैटी लिवर का बढ़ना एक खतरनाक बीमारी है। अगर शुरूआती 'स्टेज 1' पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह 'स्टीटोहेपेटाइटिस' में बदल जाता है, जहां लिवर की कोशिकाएं मरने लगती हैं और वहां घाव होने लगते हैं। अंतिम चरण में यह 'सिरोसिस' का रूप ले लेता है, जिसका एकमात्र समाधान लिवर ट्रांसप्लांट होता है। यह स्थिति शरीर के अन्य अंगों जैसे हृदय और किडनी को भी प्रभावित कर सकती है, जो जान जाने के जोखिम को कई गुना बढ़ा देता है।

लिवर की सेहत सुधारने के लिए क्या बदलाव करें?

लिवर में जमा चर्बी को कम करना असंभव नहीं है, बस आपको अनुशासन की जरूरत है- रिफाइंड कार्ब्स की जगह साबुत अनाज और हरी पत्तेदार सब्जियों को आहार में शामिल करें। दिन में कम से कम 30 मिनट टहलें या कार्डियो एक्सरसाइज करें, ये लिवर फैट को तेजी से कम करती है। शरीर के कुल वजन का केवल 5-7% कम करने से भी लिवर की सूजन में भारी कमी आती है। शराब लिवर कोशिकाओं के लिए जहर का काम करती है, इसलिए भूलकर इसका सेवन न करें।

क्या करें?

फैटी लिवर कोई ऐसी बीमारी नहीं है जिसे ठीक न किया जा सके, लेकिन इसके लिए आपको अपनी पुरानी आदतों का त्याग करना होगा। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम अक्सर पेट के बाहरी घेरे की तो चिंता करते हैं, लेकिन शरीर के भीतर सबसे महत्वपूर्ण 'फिल्टर' यानी लिवर को भूल जाते हैं। अपनी जीवनशैली में आज ही सुधार करें, क्योंकि एक स्वस्थ जिवन के लिए लिवर का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। छोटी सी सावधानी आपको बड़ी सर्जरी और अस्पताल के चक्करों से बचा सकती है।

छिलका समेत या छीलकर, अच्छे सेहत के लिए क्या है बादाम खाने का सही तरीका?

जो भी स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा बहुत भी जागरुक हैं उनमें से अधिकतर लोग रोज बादाम खाना पसंद करते हैं। भीगे हुए बादाम का सेवन करना हमारे सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। ऐसे में बहुत लोगों के मन में ये सवाल रहता है कि

बादाम को छिलकर खाना चाहिए या बिना छिले ही खाना चाहिए? आइए जानते हैं। बादाम को याददाश्त बढ़ाने और शरीर को एनर्जी देने वाला 'सुपरफूड' माना जाता है, लेकिन इसे खाने के तरीके को लेकर अक्सर घरों में बहस छिड़ी रहती है। कोई इसे सूखा खाना पसंद करता है, तो कोई रात भर भिगोकर। इतना ही नहीं जो लोग इसे भिगोकर खाते हैं उनके दिमाग में भी ये सवाल रहता है कि इसे छिलकर खाना चाहिए या बिना छिले खाना चाहिए। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो बादाम खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है, इसके भीतर मौजूद विटामिन-ए, मैग्नीशियम और हेल्दी फैट्स सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। गलत तरीके से बादाम का सेवन न केवल इसके पोषक तत्वों के अवशोषण को बाधित करता है, बल्कि पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव भी डाल सकता है। यही कारण है कि आयुर्वेद से लेकर आधुनिक पोषण विज्ञान तक, बादाम खाने के एक विशेष तरीके पर जोर देते हैं ताकि इसके औषधीय गुणों का अधिकतम लाभ मिल सके। आइए इस लेख में जानते हैं कि आपके स्वास्थ्य के लिए बादाम का छिलका हटाकर खाना क्यों जरूरी है और भिगोने की प्रक्रिया इसे कैसे अधिक सुपाच्य बनाती है।

बादाम को छीलकर खाना सेहत के लिए क्यों बेहतर है?

बादाम के भूरे छिलके में 'टैनिन' नामक तत्व पाया जाता है, जो पोषक तत्वों के अवशोषण को रोकता है। जब आप बिना छीले बादाम खाते हैं, तो यह टैनिन शरीर में जाकर आयरन और कैल्शियम जैसे खनिजों के अवशोषण में बाधा डालता है। छिलका उतारने से बादाम की तासीर बदल जाती है और शरीर इसके भीतर छिपे हुए विटामिन-ए और एंटीऑक्सीडेंट्स को आसानी से सोख लेता है। छिलका रहित बादाम नाजुक पाचन तंत्र के लिए भी अधिक अनुकूल होता है।

बादाम को भिगोने से इसके पोषक तत्वों पर क्या असर पड़ता है?

भिगोने की प्रक्रिया बादाम को 'जीवित' कर देती है। पानी में रहने से बादाम में मौजूद 'लिपेज' एंजाइम सक्रिय हो जाता है, जो शरीर में फैट को पचाने में मदद करता है। इसके अलावा, भिगोने से बादाम नरम हो जाते हैं, जिससे उन्हें चबाना आसान होता है और शरीर के भीतर जाने के बाद वे जल्दी टूटकर एनर्जी प्रदान करते हैं। सूखे बादाम की तुलना में भीगे हुए बादाम ज्यादा ठंडे और सुपाच्य माने जाते हैं।

आंखों के नीचे काले घेरे कैसे हटाएं? आजमाएं ये असरदार घरेलू नुस्खे

आंखों के नीचे काले घेरे हटाने के लिए महंगे प्रोडक्ट्स लगाते हैं तो रुक जाइए। घर पर रखी ये चीजें प्राकृतिक तरीके से डार्क सर्किल को गायब कर सकते हैं। आंखों के नीचे काले घेरे आज की पीढ़ी की सबसे आम और सबसे अनदेखी समस्या हैं। देर रात तक मोबाइल, नींद की कमी, तनाव, स्क्रीन टाइम, गलत खानपान और बढ़ती उम्र आदि ये सभी मिलकर चेहरे की सबसे नाजुक त्वचा पर असर डालते हैं। महंगे क्रीम और इंस्टेंट पैच का असर कुछ देर के लिए हो सकता है लेकिन इनका लंबे समय तक सेवन त्वचा के लिए नुकसानदायक भी होता है। महंगे प्रोडक्ट्स के बजाय नेचुरल तरीके से काले घेरों को हटाने के लिए दादी-नानी के घरेलू नुस्खों को अपनाएं, जो आज भी कारगर हैं। ध्यान रखें कि इन नुस्खों को सही तरीके और नियमितता से अपनाया जाना चाहिए। आंखों के नीचे की त्वचा बेहद पतली होती है। यहां रक्त संचार कमजोर होने पर डार्क सर्कल्स उभरते हैं। ऐसे में प्राकृतिक चीजें, जो त्वचा को ठंडक दें, पोषण पहुंचाएं और ब्लड सकुर्लेशन बेहतर करें, सबसे असरदार साबित होती हैं। आइए जानते हैं डार्क सर्कल हटाने के घरेलू नुस्खे क्या हैं। साथ ही ये भी ध्यान रखें कि नुस्खे के साथ लाइफस्टाइल को सही रखना होता है। रोज 7-8 घंटे की नींद लें। स्क्रीन टाइम कम करें। दिन में कम से कम 8- 10 गिलास पानी पिएं। नमक और जंक फूड कम करें।

कच्चा आलू

आलू प्राकृतिक ब्लीच का काम करता है।

आलू में मौजूद एंजाइम्स डार्क सर्कल्स हल्के करने में मदद करते हैं।

आलू का रस निकालकर कॉटन से आंखों के नीचे लगाएं।

इससे रंगत में सुधार और सूजन में कमी आती है।

गुलाब जल

ये त्वचा के लिए टॉनिक का काम करता है।

गुलाब जल त्वचा को रिलैक्स करता है और रक्त संचार बढ़ाता है।

रात को सोने से पहले गुलाब जल में भीगे कॉटन पैड 10 मिनट रखें।

इससे आंखों की थकान और काले घेरे दोनों में राहत मिलती है।

बादाम का तेल पोषण का खजाना माना जाता है।

विटामिन ए से भरपूर बादाम तेल आंखों की नाजुक त्वचा को मजबूत करता है।

रात में हल्के हाथों से मसाज करें।

त्वचा कोमल होती है और डार्क सर्कल्स धीरे-धीरे हल्के पड़ते हैं।

टी बैग

ये तुरंत असर दिखाने वाला उपाय है।

ग्रीन टी या ब्लैक टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स सूजन कम करते हैं।

उपयोग किए हुए टी बैग ठंडे कर आंखों पर रखें।

डार्क सर्कल्स और पफीनेस दोनों में राहत देता है।

ठंडा दूध

दूध प्राकृतिक क्लीनजर का काम करता है।

दूध त्वचा को पोषण देता है और रंगत सुधारता है।

ठंडे दूध में कॉटन डुबोकर आंखों के नीचे लगाएं।

त्वचा सॉफ्ट और ब्राइट दिखती है।

कोलेस्ट्रॉल और बीपी नॉर्मल होने के बाद भी आ सकता है हार्ट अटैक, डॉक्टर से जान लें इसके मूल कारण

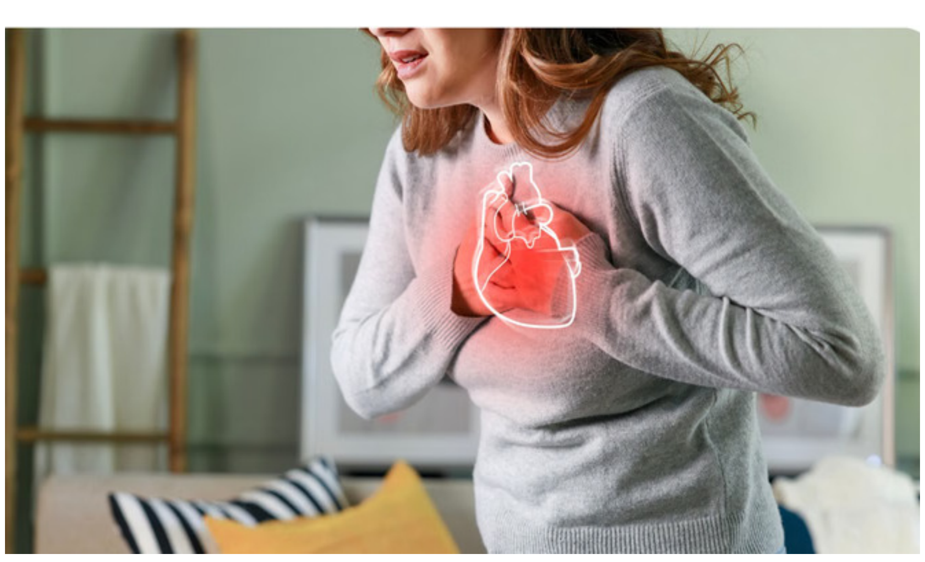

आज के समय में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ते हैं जा रहे हैं। हार्ट अटैक बढ़ने के पीछे का बड़ा कारण हाई बीपी और कोलेस्ट्रॉल को माना जाता है, मगर इसके अलावा भी कुछ शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएं हैं जिसके जो हार्ट अटैक का कारण बन सकते हैं, आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं। अक्सर हम मानते हैं कि अगर हमारी ब्लड रिपोर्ट में कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर का लेवल सामान्य है, तो हमारा दिल पूरी तरह सुरक्षित है। मगर यह धारणा पूरी तरह सच नहीं है, इसी विषय पर डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने सोशल मीडिया पर एक जरूरी जानकारी साझा की है, जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए। उन्होंने बताया है कि रिपोर्ट में बीपी और कोलेस्ट्रॉल नॉर्मल आने के बावजूद अचानक हार्ट अटैक आना संभव है, क्योंकि हृदय रोग के पीछे अन्य कई 'अदृश्य' कारण भी जिम्मेदार होते हैं। यह स्थिति उन लोगों के लिए अधिक खतरनाक है जो अपनी रिपोर्ट्स पर आंख मूंदकर भरोसा करते हैं और जीवनशैली की अन्य गंभीर समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं। डॉक्टर सोलंकी के अनुसार हार्ट अटैक केवल बीपी और कोलेस्ट्रॉल का खेल नहीं है, बल्कि यह शरीर के भीतर छिपी अन्य समस्याओं के कारण भी हो सकता है। आइए इस लेख में हम उन पांच प्रमुख कारणों के बारे में जानते हैं जो हार्ट अटैक का कारण बन सकते हैं।

बीपी और कोलेस्ट्रॉल सामान्य होने पर भी हार्ट अटैक क्यों आता है?

डॉक्टर सोलंकी के अनुसार शरीर में छिपी हुई सूजन इसका सबसे बड़ा कारण है। जब खून में 'होमोसिस्टीन' का लेवल बहुत अधिक बढ़ जाता है, तो यह संकेत देता है कि शरीर के भीतर सूजन अधिक है। यह सूजन धमनियों में जमे प्लाक को अनस्टेबल कर देती है, जो कभी भी फट सकता है और अचानक हार्ट अटैक का कारण बन सकता है।

दूसरा प्रमुख कारण इंसुलिन रेजिस्टेंस और पेट की चर्बी (बेली फैट) है। डॉक्टर ने स्पष्ट किया कि भले ही आपका शुगर लेवल फिलहाल कम या नॉर्मल हो, लेकिन अगर आपको इंसुलिन रेजिस्टेंस है और पेट पर अधिक चर्बी जमा है, तो यह आपकी धमनियों को भीतर से डैमेज करना शुरू कर देता है। यह आंतरिक क्षति हार्ट अटैक के जोखिम को कई गुना बढ़ा देती है। अक्सर सामान्य कोलेस्ट्रॉल रिपोर्ट में 'स्मॉल डेंस छ्ऊ्छ' का पता नहीं चलता। डॉक्टर सोलंकी के मुताबिक भले ही कुल कोलेस्ट्रॉल नॉर्मल हो, लेकिन ये छोटे और डेंस कण धमनियों की दीवारों के भीतर घुसकर प्लाक बनाते हैं। यह स्थिति अत्यधिक तनाव से ट्रिगर होती है, जिससे धमनियां अचानक ब्लॉक हो सकती है और व्यक्ति को गंभीर दौरा पड़ सकता है।

पाचन तंत्र और मानसिक स्वास्थ्य का दिल से क्या संबंध है?

डॉक्टर ने चौंकाने वाली बात बताई कि आंतों की समस्याएं जैसे बार-बार ब्लोटिंग होना भी हृदय रोग से जुड़ा हो सकता है। इसके अलावा अत्यधिक तनाव, बार-बार गुस्सा करना और नींद की भारी कमी भी दिल की सेहत के लिए सबसे बड़े दुश्मन हैं। बहुत ज्यादा तनाव और नींद की कमी सीधे तौर पर दिल की धड़कन और धमनियों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर भविष्य के खतरे को बढ़ाते ह

क्या करें?

यह खबर हमें सिखाती है कि हृदय स्वास्थ्य केवल कोलेस्ट्रॉल के आंकड़ों तक सीमित नहीं है। डॉक्टर सोलंकी की यह सलाह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें 'मेटाबॉलिक हेल्थ' और 'इन्फ्लेमेशन' पर ध्यान देने की प्रेरणा देती है। अपने गुस्से पर काबू करें, पेट की सेहत का ध्यान रखें और भरपूर नींद लें। आपका दिल आपकी पूरी जीवनशैली का प्रतिबिंब है।

आंवला और शहद साथ में खाने से मिलते हैं जबरदस्त फायदे, जीवन भर रहोगे निरोग

आयुर्वेद में आंवला और शहद को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना गया है। जब इन दोनों का एक साथ सेवन किया जाता है, तो यह शरीर को अंदर से मजबूत बनाने का काम करते हैं है। रोजाना सही मात्रा में लेने से कई स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिल सकती है। आंवला और शहद का संयोजन एक प्राकृतिक

टॉनिक की तरह काम करता है, जो शरीर को अंदर से स्वस्थ और मजबूत बनाता है।

आंवला और शहद साथ खाने के फायदे

आंवला विटामिन सी का बेहतरीन स्त्रोत है, जबकि शहद एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। दोनों मिलकर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। यह मिश्रण पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है और गैस, कब्ज जैसी समस्याओं से राहत देता है। आंवला त्वचा को ग्लोइंग बनाता है और बालों को मजबूत करता है। शहद त्वचा को नमी देता है, जिससे चेहरा साफ और चमकदार दिखता है। सुबह खाली पेट आंवला और शहद लेने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है। यह मिश्रण कोलेस्ट्रॉल को संतुलित रखने में मदद करता है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है।

सेवन करने का तरीका

1 चम्मच आंवला पाउडर या ताजा आंवला रस लें, उसमें 1 चम्मच शहद मिलाएं, सुबह खाली पेट सेवन करें। ध्यान रखें ज्यादा मात्रा में सेवन न करें, डायबिटीज के मरीज डॉक्टर से सलाह लेकर ही शहद लें। किसी एलर्जी की स्थिति में तुरंत सेवन बंद करें। अगर इसे नियमित रूप से लिया जाए, तो सेहत में सकारात्मक बदलाव साफ नजर आ सकते हैं।

व्रत के बाद गैस और एसिडिटी से परेशान? अपनाएं ये 4 आसान नियम

नवरात्रि के दौरान व्रत रखना जहां आध्यात्मिक शांति देता है, वहीं कई लोगों को इस समय गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है। इसका मुख्य कारण होता है लंबे समय तक खाली पेट रहना और फिर अचानक गलत या भारी भोजन कर लेना। अगर आप थोड़ी सावधानी रखें, तो इन समस्याओं से आसानी से बचा जा सकता है।

व्रत के दौरान गैस बनने के लक्षण

व्रत के समय अगर पेट में लगातार भारीपन महसूस हो, हल्का दर्द बना रहे, या खट्टी डकारें आने लगें, तो यह गैस बनने का संकेत हो सकता है। कई बार पेट फूल जाता है और व्यक्ति को आराम करने या लेटने का मन करता है। इसके अलावा भूख कम लगना भी एक

सामान्य लक्षण है। इन संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि समय पर ध्यान देने से समस्या बढ़ने से रोकी जा सकती है।

व्रत खोलते समय हल्का भोजन करें

लंबे समय तक खाली पेट रहने के कारण हमारी पाचन क्रिया धीमी हो जाती है। ऐसे में अगर आप व्रत खोलते ही भारी, तला-भुना या ज्यादा मसालेदार खाना खा लेते हैं, तो पेट उसे ठीक से पचा नहीं पाता और गैस बनने लगती है। इसलिए व्रत खोलते समय हल्का और सुपाच्य भोजन करना बहुत जरूरी है। आप फल, दही, या हल्की खिचड़ी से शुरूआत कर सकते हैं। इससे पेट पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ता और पाचन धीरे-धीरे सामान्य हो जाता है। बाद में आप थोड़ा-थोड़ा करके अन्य चीजें खा सकते हैं, लेकिन शुरूआत हमेशा हल्की रखें।

खाली पेट ज्यादा चाय या कॉफी न पिएं

कई लोग व्रत के दौरान बार-बार चाय या कॉफी पीते हैं ताकि उन्हें ऊर्जा मिलती रहे, लेकिन खाली पेट इनका सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। चाय और कॉफी में मौजूद कैफीन पेट में एसिड की मात्रा बढ़ा देता है, जिससे एसिडिटी और गैस की समस्या होने लगती है। इसलिए इनका सेवन सीमित मात्रा में ही करें। इसके बजाय आप नारियल पानी, छाछ या नींबू पानी जैसे हल्के और ठंडक देने वाले पेय पदार्थ ले सकते हैं। ये न केवल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं, बल्कि पाचन को भी बेहतर बनाते हैं।

दिनभर थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें

व्रत के दौरान अक्सर लोग पानी पीना कम कर देते हैं, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। डिहाइड्रेशन के कारण पाचन तंत्र सही से काम नहीं कर पाता और गैस बनने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए जरूरी है कि आप दिनभर थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें। एक साथ बहुत ज्यादा पानी पीने के बजाय नियमित अंतराल में पानी लेना ज्यादा फायदेमंद होता है। गुनगुना पानी पीना पाचन के लिए विशेष रूप से अच्छा माना जाता है, जबकि बहुत ठंडा पानी पेट की समस्या बढ़ा सकता है, इसलिए उससे बचना चाहिए।

गैस बनाने वाले खाद्य पदार्थों से दूरी बनाएं

व्रत के दौरान कुछ खास चीजें जैसे साबूदाना वड़ा, तले हुए आलू या ज्यादा मसालेदार भोजन खाने का मन करता है, लेकिन ये सभी गैस बनने की समस्या को बढ़ा सकते हैं। तली-भुनी चीजें पचने में भारी होती हैं और पेट में असहजता पैदा करती हैं। इसलिए इनसे दूरी बनाना बेहतर है। इसके बजाय आप उबले हुए आलू, हल्की मूंगफली, दही या अन्य हल्के और पौष्टिक विकल्प चुन सकते हैं। कम मसाले वाला भोजन पेट के लिए आरामदायक होता है और गैस बनने की संभावना को कम करता है।

सेवा समाप्त होने पर संविदाकर्मी पहुंचे डिप्टी सीएम के घर,लगाई गुहार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में बिजली विभाग से जुड़े 25 संविदाकर्मियों को सेवा से निष्कासित किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। प्रभावित कर्मचारियों ने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से हस्तक्षेप की मांग करते हुए उन्हें प्रार्थना पत्र सौंपा है। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्होंने पूरी निष्ठा से राजस्व वसूली और योजनाओं को लागू किया, इसके बावजूद उन्हें अचानक हटा दिया गया। संविदाकर्मियों ने अपने पत्र में बताया कि उन्हें 12 मार्च 2026 को जारी एक आदेश के तहत सेवा से निष्कासित कर दिया गया। विभाग की ओर से आरोप लगाया गया कि उन्होंने राजस्व वसूली और बिजली बिल राहत योजना 2025-26 में पर्याप्त रुचि नहीं दिखाई। हालांकि कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने इस योजना को सफल बनाने के लिए लगातार कैम्प आयोजित किए, लोगों का पंजीकरण कराया और रोजाना रिपोर्ट भी अधिकारियों को भेजी। इसके बावजूद सिर्फ उन्हें ही निशाना बनाकर सेवा समाप्त कर दी गई। संविदाकर्मियों ने दावा किया कि कलेक्शन कार्य के लिए कुल 54 कर्मियों की तैनाती की गई थी, लेकिन वास्तविक काम केवल 25 कर्मचारियों ने ही किया। अन्य कर्मियों ने कोई योगदान नहीं दिया, फिर भी कार्रवाई केवल सक्रिय कर्मियों पर ही हुई।

आईपीएल में 10 कप्तान भारतीय रिटायर या फुस्स गैर पाकिस्तानियों पर पीएसएल में ज्यादा भरोसा

मुंबइ। आईपीएल में सभी कप्तान भारतीय हैं, जो घरेलू खिलाड़ियों पर भरोसा दशार्ता है। वहीं पीएसएल में विदेशी खिलाड़ियों को भी कप्तानी सौंपी गई है। पाकिस्तानी सुपर लीग में ज्यादातर कप्तान वो हैं, जो हाल फिलहाल में खराब फॉर्म से गुजरे हैं। बाबर से लेकर शाहीन और शादाब, सब हाल फिलहाल में फ्लॉप रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग आईपीएल का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। वहीं, इससे पहले 26 मार्च से पाकिस्तान सुपर लीग की भी शुरूआत हो जाएगी। फैंस इस बात से हैरान हैं कि जब आईसीसी ने मार्च से मई का विंडो आईपीएल के लिए दिया है, ताकि विदेशी खिलाड़ी खुलकर खेल सकें, उस समय में पाकिस्तानियों ने पीएसएल करवाने की सोची भी कैसे। ऐसा इसलिए क्योंकि पूरी दुनिया के बड़े स्टार्स इस लीग में खेलते हैं, जबकि पीएसएल में ज्यादातर वो खिलाड़ी होते हैं, जो या तो आईपीएल का हिस्सा नहीं

होते यानी ऑक्शन में नहीं बिके होते हैं, या फिर रिटायर हो चुके या फिर फुस्स होते हैं। पाकिस्तान के पास कप्तानों की भी ऐसी ही फहरिस्त है, जो या तो रिटायर हो चुके हैं या फिर अपने-अपने देश के लिए टी20 में फुस्स हैं। आइए आईपीएल और पीएसएल में कप्तानों की तुलना करते हैं... क्ष्छ में पूरी तरह भारतीय और दमदार नेतृत्व आईपीएल फ्रेंचाइजियों ने इस बार घरेलू खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा दिखाया है। सभी टीमों ने भारतीय कप्तानों को मौका दिया है, जो यह दशार्ता है कि भारत में नेतृत्व की नई पीढ़ी तैयार हो चुकी है। आईपीएल में हार्दिक पांड्या, शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे युवा और अनुभवी भारतीय खिलाड़ियों पर भरोसा जताया गया है। श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड़ और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों को लीड कर रहे हैं और युवा कप्तानों की यह लिस्ट काफी मजबूत नजर आती है। हार्दिक, अक्षर और ईशान हाल ही में टी20 विश्वकप विजेता टीम का हिस्सा रहे थे। गिल और ऋतुराज के टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक-एक शतक हैं। श्रेयस वनडे के खतरनाक बल्लेबाज माने जाते हैं और टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनका औसत 30+ का और स्ट्राइक रेट 136 से ज्यादा का है। पंत 2024 में टी20 विश्वकप और 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। पीएसएल में विदेशी खिलाड़ियों पर भी भरोसा दूसरी ओर, पाकिस्तान सुपर लीग में कप्तानी का समीकरण अलग है। यहां बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान जैसे स्थानीय सितारों के साथ-साथ डेविड वॉर्नर और मार्नस लाबुशेन जैसे विदेशी खिलाड़ियों को भी टीम की कमान सौंपी गई है। यह दशार्ता है कि पीएसएल फ्रेंचाइजियां इंटरनेशनल अनुभव को कप्तानी में अहम मानती हैं। इसके अलावा सऊद शकील, शादाब खान और शाहीन अफरीदी भी अलग-अलग टीमों की कमान संभालेंगे। इनमें से लाबुशेन और टर्नर तो पीएसएल में कप्तानी का डेब्यू कर रहे हैं। लाबुशेन ने तो कभी टी20 में कप्तानी ही नहीं की है। रणनीति और सोच का फर्क भारतीय टीम में कप्तानी ज्यादातर खिलाड़ी वो कर रहे हैं जो टी20 में अच्छे या बड़े रिकॉर्ड्स बना चुके हैं। वहीं, पीएसएल ठीक इसके उलट है। वॉर्नर संन्यास ले चुके हैं, लाबुशेन ने अब तक सिर्फ एक टी20 अंतरराष्ट्रीय खेला है और वह ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम का हिस्सा तक नहीं हैं। एश्टन टर्नर किसी भी प्रारूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा नहीं हैं। बाबर आजम का टी20 में बेहद खराब फॉर्म रहा है और उन्हें टी20 टीम से निकाला जा सकता है। वही हालत शादाब खान की भी है। शाहीन को भी टी20 विश्वकप में जमकर मार पड़ी थी। सऊद शकील पाकिस्तानी टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं और न ही कभी पाकिस्तान के लिए टी20 मैच खेले हैं।

अपनी तस्वीर देख ऐसा क्यों बोले अर्शदीप सिंह? फैन के साथ उनका मजेदार वीडियो हुआ वायरल

नई दिल्ली। बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स में अर्शदीप सिंह का एक मजेदार वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने फैन के पोर्ट्रेट पर हंसी-मजाक किया। मैदान के बाहर उनके इस अंदाज ने सबका दिल जीत लिया। वहीं, टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उनका प्रदर्शन भी भारत की जीत में अहम रहा। दिल्ली में आयोजित बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स के दौरान अर्शदीप सिंह का एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। यह कार्यक्रम भारतीय क्रिकेट में खिलाड़ियों के

योगदान और उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमों के सितारे शामिल हुए। इवेंट के दौरान एक फैन, जो एक आर्टिस्ट भी था, अर्शदीप के पास उनका हाथ से बनाया पोर्ट्रेट लेकर पहुंचा और ऑटोग्राफ मांगा। अर्शदीप ने खुशी-खुशी साइन किया, लेकिन इसके बाद जो कहा, उसने सबको हंसा दिया। फैन के पोर्ट्रेट पर दिया मजेदार रिएक्शन अर्शदीप ने पोर्ट्रेट को देखते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, 'इसे खाना-पीना खिलाओ, थोड़ा बड़ा करो, काफी कमजोर लग रहा है ये।' उनका यह हल्का-फुल्का कमेंट वहां मौजूद लोगों के बीच हंसी का कारण बना और देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गया। अर्शदीप भी मुस्कुराते हुए दिखे। टी20 वर्ल्ड कप जीत का हिस्सा मजेदार अंदाज के अलावा अर्शदीप अपने शानदार प्रदर्शन के लिए भी चर्चा में रहे। वह भारत की टी20 वर्ल्ड कप 2026 विजेता टीम का अहम हिस्सा थे। टूनार्मेंट में उन्होंने आठ मैचों में नौ विकेट लिए और टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अर्शदीप 2024 में भी भारतीय टीम की जीत का हिस्सा रहे थे। इसके अलावा 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। अर्शदीप टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के सबसे सफल गेंदबाज हैं। उनके नाम 127 विकेट हैं। उनके पीछे 121 विकेट के साथ जसप्रीत बुमराह हैं। सफलता का मंत्र बताया टीम की सफलता पर बात करते हुए अर्शदीप ने बताया कि उनका फोकस हमेशा प्रोसेस और आत्मविश्वास पर रहा। उन्होंने कहा, 'जब हमने 2024 का टी20 वर्ल्ड कप जीता, तब हार्दिक भैया और टीम के खिलाड़ियों ने कहा था कि अगले 10 साल में कम से कम पांच ट्रॉफी जीतनी है। हमने उसी लक्ष्य पर काम किया और अपने खेल पर भरोसा रखा।

दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग स्टाफ में बदलाव, लखनऊ में आते ही पक्के दोस्त बने ऋषभ पंत-अर्जुन तेंदुलकर

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव किया है। टीम प्रबंधन ने जॉन मूनी को फील्डिंग कोच बनाया है। वहीं, लखनऊ में

शामिल होते ही अर्जुन तेंदुलकर और ऋषभ पंत पक्के दोस्त बन गए हैं। आईपीएल 2026 की शुरूआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 28 मार्च से टूनामेंट के 19वें संस्करण की शुरूआत होनी है। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स ने कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव किया है। टीम में जॉन मूनी की एंट्री हुई है। उन्हें फील्डिंग कोच बनाया गया है। वहीं, लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत की महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर से पक्की दोस्ती हो गई है। जॉन मूनी बने दिल्ली के फील्डिंग कोच अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने के लिए प्रयासरत दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2026 से पहले अपनी कोचिंग टीम को और मजबूत किया है और आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को फील्डिंग कोच के रूप में नियुक्त किया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से लेवल 3, 2, और 1 कोचिंग सर्टिफिकेट प्राप्त जॉन मूनी दिल्ली में ज्ञानेश्वर राव और एंटोन रॉक्स की जगह लेंगे। दोनों आईपीएल 2025 के बाद टीम से अलग हो गए थे। जॉन मूनी दिल्ली कैपिटल्स की पहले से मजबूत कोचिंग टीम को और मजबूती देंगे। दिल्ली कैपिटल्स की कोचिंग टीम में हेमंग बदानी (हेड कोच), मुनाफ पटेल (बॉलिंग कोच), इयान बेल (सहायक कोच) शामिल हैं। वेणुगोपाल राव टीम के डायरेक्टर हैं। जॉन मूनी के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोचिंग का अनुभव है। वह 2018 से 2019 के बीच अफगानिस्तान के फील्डिंग कोच रहे हैं। इसी दौरान अफगानिस्तान ने भारत के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने 2019 में वेस्टइंडीज की पुरुष टीम के साथ भी काम किया था। इस साल जनवरी से आयरलैंड की महिला टीम के अस्थायी कोच हैं। 44 साल के जॉन मूनी ने आयरलैंड के लिए 2006 से 2015 के बीच 64 वनडे और 27 टी20 मैच खेले। बाएं हाथ से बल्लेबाजी करने वाले मूनी ने वनडे की 55 पारियों में 14 बार नाबाद रहते हुए 3 अर्धशतक लगाते हुए 963 रन बनाए। वहीं टी20 की 23 पारियों में 231 रन बनाए। वहीं दाएं से मध्यम गति की तेज गेंदबाजी करने वाले इस खिलाड़ी ने वनडे में 48 और टी20 में 10 विकेट लिए थे। वह आयरलैंड के लिए तीन वनडे (2007, 2011 और 2015) और 2 टी20 विश्व कप खेल चुके हैं। एलएसजी में पक्के दोस्त बने पंत और अर्जुन आईपीएल 2026 में अर्जुन मुंबई इंडियंस की जगह लखनऊ सुपर जाएंट्स की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे। एलएसजी ने अभ्यास सत्र का एक वीडियो साझा किया है जिसमें पंत और अर्जुन एक दूसरे से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान पंत अर्जुन के बल्ले का वजन जानकर हैरान हो जाते हैं। वीडियो में पंत ने अर्जुन से उनके बल्ले का वजन पूछा। अर्जुन ने बताया, 1220 ग्राम। इतना सुनकर पंत हैरान रह गए। पंत ने पूछा कि भारी बल्ले से खेलने का क्या फायदा है, तो अर्जुन ने जवाब दिया, इसे छूने पर भी उड़ता है। पापा 1310-1315 के साथ खेलते थे। मैं 1200 से नीचे नहीं जाता। अर्जुन तेंदुलकर और ऋषभ पंत की उम्र में ज्यादा अंतर नहीं है। इसलिए एलएसजी कैंप में मिलते ही दोनों दोस्त बन गए हैं। वीडियो में पंत एक जगह अर्जुन से यह कहते हुए दिखते हैं कि जब भी जरूरत होगी, वह उनके लिए मौजूद रहेंगे।

एयरस्ट्राइक के जख्मों पर मरहम! अफगान खिलाड़ियों ने पीड़ितों से मिलकर दिया इंसानियत का संदेश

काबुल। काबुल एयरस्ट्राइक के बाद अफगान क्रिकेटरों ने अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की और समर्थन जताया। राशिद खान समेत खिलाड़ियों ने हमलों की निंदा करते हुए न्याय की मांग की। संयुक्त राष्ट्र ने भी जांच की बात कही, जबकि हमलों से हजारों लोग प्रभावित और विस्थापित हुए हैं। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हुए भीषण हवाई हमलों के बाद हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान द्वारा किए गए एयरस्ट्राइक में 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक अस्पताल भी निशाना बना। इसके अलावा, कुनार प्रांत में भी पिछले 24 घंटों में 124 रॉकेट दागे गए, जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए। क्रिकेटरों का बड़ा मानवीय कदम इस दर्दनाक घटना के बीच अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी और राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी पीड़ितों से मिलने अस्पताल पहुंचे। टीम के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी, उनके साथ गुलबदीन नईब और कायस अहमद ने वजीर अकबर खान और काबुल इमरजेंसी अस्पताल का

दौरा किया। खिलाड़ियों ने घायलों का हाल जाना, उनके परिवारों से मुलाकात की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस पहल को अफगान क्रिकेट समुदाय में एकजुटता और सहानुभूति के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। राशिद खान ने जताया दुख इस हमले को लेकर स्टार ऑलराउंडर राशिद खान ने भी गहरी नाराजगी और दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैं काबुल में नागरिकों की मौत की खबरों से बेहद दुखी हूं। नागरिक इलाकों, स्कूलों या अस्पतालों को निशाना बनाना युद्ध अपराध है। रमजान के पवित्र महीने में इंसानी जिंदगी की अनदेखी बेहद चिंताजनक है। मैं संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों से अपील करता हूं कि इस घटना की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों को सजा मिले। हम अपने लोगों के साथ खड़े हैं और एक राष्ट्र के रूप में फिर उठ खड़े होंगे।' संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया इस हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है और पूरे मामले की जांच की मांग की है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस घटना की निंदा हो रही है और जवाबदेही तय करने की बात कही जा रही है। कुनार में भी बढ़ा संकट काबुल के अलावा कुनार प्रांत में भी हालात बिगड़ते जा रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, रॉकेट हमलों के कारण करीब 7,500 परिवारों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा है। सूचना विभाग के प्रमुख जिया-उल-रहमान ने कहा, 'पाकिस्तानी सेना ने डूरंड लाइन के पास 124 रॉकेट हमले किए। भले ही कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन कई परिवारों को विस्थापित होना पड़ा।' बढ़ता तनाव और सवाल इन हमलों के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव और बढ़ गया है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता का खतरा और गहरा गया है। अफगान क्रिकेटरों का यह मानवीय कदम ऐसे समय में उम्मीद की किरण बनकर सामने आया है, जब देश मुश्किल दौर से गुजर रहा है।

क्या 2027 के विश्वकप तक मुख्य चयनकर्ता बने रहेंगे अजीत अगरकर?

मुंबई। अजीत अगरकर ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक मुख्य चयनकर्ता बने रहने के लिए बीसीसीआई से कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है। उनके कार्यकाल में भारत ने कई क्छउ खिताब जीते, लेकिन टेस्ट में प्रदर्शन कमजोर रहा। बोर्ड अब उनके भविष्य को लेकर विचार कर रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने बोर्ड से उनका कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है। न्यूज एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, अगरकर ने बोर्ड से कहा है कि उनका कार्यकाल 2027 के वनडे विश्वकप तक के लिए बढ़ाया जाए। अगरकर ने यह अनुरोध भारत के टी20 विश्वकप 2026 जीतने

के बाद किया है। जून 2023 में बने मुख्य चयनकर्ता अगरकर जून 2023 से भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता बने हुए हैं। उनके रहते टीम इंडिया ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। साल 2025 में आईपीएल से पहले उनका कॉन्ट्रैक्ट रीन्यू हुआ था। उन्हें बीसीसीआई ने टी20 विश्वकप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने का इनाम दिया था। इसके अलावा टीम ने एशिया कप 2023 और 2025 भी अपने नाम किए। सीमित ओवरों में शानदार प्रदर्शन सीमित ओवरों में टीम का रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है, जहां भारत ने 33 में से सिर्फ दो मुकाबले गंवाए हैं। इन उपलब्धियों ने अगरकर के कार्यकाल विस्तार के दावे को और मजबूत बना दिया है। न्यूज एजेंसी आईएएनएस ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया- इस महीने भारत द्वारा टी20 विश्वकप में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद, एक पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने बोर्ड से 2027 विश्व कप तक अपने अनुबंध को और बढ़ाने का अनुरोध किया है। टेस्ट क्रिकेट में उतार-चढ़ाव हालांकि, टेस्ट क्रिकेट में टीम का प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा। घरेलू सीरीज में हार और विदेश में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवाने जैसी घटनाओं ने चयन समिति के फैसलों पर सवाल भी खड़े किए हैं। यही कारण है कि बोर्ड के भीतर इस विस्तार को लेकर अलग-अलग राय सामने आ रही है। बीसीसीआई में मंथन जारी रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई फिलहाल इस मांग पर विचार कर रहा है। अंदरखाने चर्चा यह भी है कि वेस्ट जोन का एक पूर्व भारतीय खिलाड़ी इस पद के लिए दावेदार हो सकता है, लेकिन अभी तक कोई ठोस फैसला नहीं लिया गया है।

क्या टी20 विश्वकप के दौरान अनफिट थे बाबर-फखर? पाकिस्तान टीम के फिजियो सवालों के घेरे में

कराची। टी20 विश्व कप के दौरान बाबर आजम और फखर जमां की फिटनेस को लेकर विवाद गहरा गया है। रिपोर्ट्स में दोनों के अनफिट होने का दावा किया गया है। फिजियो और पीसीबी मेडिकल सिस्टम पर सवाल उठ रहे हैं। अब बोर्ड जांच करेगा, जिसके बाद सच्चाई सामने आएगी। पाकिस्तान क्रिकेट में एक नया विवाद सामने आया है, जिसने टीम मैनेजमेंट और मेडिकल सिस्टम दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाबर आजम और फखर जमां को टी20 विश्व कप के लिए उस समय चुना गया

था, जब वे पूरी तरह फिट नहीं थे। इस खुलासे के बाद क्रिकेट जगत में हलचल तेज हो गई है। मामले ने तूल तब पकड़ा जब आकिब जावेद ने खुलकर इस पर सवाल उठाए। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके।' वहीं, पीसीबी मेडिकल पैनल से जुड़े विशेषज्ञ डॉ. जावेद मुगल ने भी खिलाड़ियों की फिटनेस क्लियरेंस प्रक्रिया पर चिंता जताई है। चोट की गंभीरता छुपी? रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि विश्व कप के बाद जब बाबर आजम की दोबारा जांच हुई, तो उनकी चोट पहले के अनुमान से ज्यादा गंभीर पाई गई। यही वजह रही कि उन्होंने नेशनल टी20 कप से दूरी बना ली। फिजियो की भूमिका कटघरे में इस पूरे विवाद में टीम के फिजियो क्लिफ डीकन की भूमिका पर भी अंगुलियां उठ रही हैं। चयन समिति का कहना है, 'हमने केवल उन्हीं खिलाड़ियों को चुना जिन्हें फिजियो से फिटनेस क्लीयरेंस मिला था।' पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अब इस मामले की जांच करने जा रहा है। अगर यह साबित होता है कि अनफिट खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया था, तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो सकती है। फिलहाल, बाबर आजम नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहैब कर रहे हैं और 26 मार्च से शुरू होने वाली पाकिस्तान सुपर लीग (ढरछ) में पेशावर जाल्मी की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं।

सचिन-हरभजन से लेकर सूर्यकुमार-लक्ष्मण और रहाणे तक, दिग्गज क्रिकेटरों ने दी गुड़ी पड़वा की बधाई

मुंबई। आज यानी 19 मार्च 2026 को गुड़ी पड़वा का पर्व मनाया जा रहा है। गुड़ी पड़वा महाराष्ट्र का प्रमुख त्योहार है, जो हिंदू नववर्ष की शुरूआत का प्रतीक माना जाता है। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज रहे सचिन तेंदुलकर, हाल ही में भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप जिताने वाले सूर्यकुमार यादव, पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह, बीसीसीआई के क्रिकेट ऑफ एक्सिलेंस के प्रमुख और पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण, पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले और अजिंक्य रहाणे ने सोशल मीडिया के माध्यम से देशवासियों को 'गुड़ी पड़वा' और 'उगादी' की बधाई दी है। सचिन तेंदुलकर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'आपको और आपके परिवार को गुड़ी पड़वा और मराठी नए साल की बहुत-बहुत

शुभकामनाएं। यह नया साल खुशी, आनंद और समृद्धि लाए, यही मेरी दिल से प्रार्थना है।' सूर्यकुमार यादव ने लिखा, 'नए सपनों के साथ नई शुरूआत का स्वागत करें। सभी को गुड़ी पड़वा की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' हरभजन सिंह ने एक्स पर लिखा, 'नया साल, नई ऊर्जा, एक जुड़ाव। हम जुड़े हुए हैं, स्वास्थ्य से, परंपरा से, आपसे। हैप्पी उगादी और गुड़ी पड़वा।' वीवीएस लक्ष्मण ने लिखा, 'एक नया साल। कई परंपराएं। हैप्पी उगादी, गुड़ी पड़वा, चेटी चंद, नवरेह, साजिबू नोंग्मा पनबा। विविधता में एकता का जश्न। सभी को नई शुरूआत और असिमित संभावनाओं के लिए शुभकामनाएं।' अजिंक्य रहाणे ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'गुड़ी पड़वा पर दिल से शुभकामनाएं।

शराब को कहा अलविदा, फिटनेस पर ध्यान दे रहे युजवेंद्र चहल

नई दिल्ली। युजवेंद्र चहल ने आईपीएल 2026 से पहले फिटनेस सुधारने और बेहतर प्रदर्शन के लिए शराब छोड़ दी है और पिछले छह महीनों से इससे दूर हैं। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने आईपीएल 2026 से पहले अपनी फिटनेस और प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने शराब पीना पूरी तरह से छोड़ दिया है और पिछले छह महीनों से इससे दूर हैं। यह खुलासा उन्होंने पूर्व दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज एबी डिविलियर्स के साथ एक पॉडकास्ट में किया। फिटनेस और प्रदर्शन पर फोकस चहल इस बार आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की ओर से खेलेंगे। उन्होंने कहा कि अब उनकी उम्र 35 साल हो चुकी है, इसलिए वह अपनी

फिटनेस को लेकर और ज्यादा सजग हो गए हैं। चहल ने कहा, 'मैंने शराब पीना बंद कर दिया है। अब मैं अपनी टीम के लिए 150% देना चाहता हूं और एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर युवाओं के लिए उदाहरण बनना चाहता हूं।' पिछले आईपीएल में चहल का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में चहल का प्रदर्शन ठीक-ठाक रहा था। 14 मैचों में उन्होंने 16 विकेट लिए। टीम फाइनल तक भी पहुंची, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों उसे करारी शिकस्त मिली। चहल ने बताया कि 2025 सीजन में चोटों ने उनके प्रदर्शन को काफी प्रभावित किया। केकेआर के खिलाफ मैच के बाद उनकी पसलियों में फ्रैक्चर हुआ। बाद में उंगली में चोट लगी। इन चोटों की वजह से वह सेमीफाइनल और फाइनल में अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, 'मैं खुद से निराश था। इस बार मेरा फोकस सबसे पहले अपने शरीर का ख्याल रखना है।' आईपीएल 2026 और टीम इंडिया पर नजर चहल का लक्ष्य इस बार सिर्फ अच्छा प्रदर्शन करना ही नहीं, बल्कि पंजाब किंग्स को पहला आईपीएल खिताब दिलाना भी है। इसके अलावा वह टीम इंडिया में वापसी करना चाहते हैं। उन्होंने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2023 में खेला था।

नवम्बर में रिटायर होंगे यूपी के 10 राज्यसभा सदस्य

लखनऊ (संवाददाता)। नवंबर माह में यूपी की 10 राज्यसभा सीटें खाली होंगी, इसमें भारतीय जनता पार्टी के 9 और सपा के 1 राज्यसभा सांसद शामिल हैं। भारतीय जनता पार्टी के 2026 में रिटायर होने वाले सांसदों में बृजलाल, सीमा द्विवेदी, चंद्रप्रभा उर्फ गीता, हरदीप सिंह पुरी, रामजी, दिनेश शर्मा, नीरज शेखर, अरुण सिंह और बीएल वर्मा शामिल हैं तो सपा से प्रोफेसर रामगोपाल यादव रिटायर होंगे।आंकड़े गवाह हैं कि सपा से 2 और बीजेपी से 8 लोग राज्यसभा जा सकते हैं। सपा के बागी विधायक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।यूपी से चुने गए 10 सांसदों की रिटायरमेंट 25 नवंबर 2026 को है। 2024 में ही यूपी में राज्यसभा की 10 सीटों पर चनाव हुए थे, सपा के कई विधायक बागी हो गए और बीजेपी को वोट किया था।यूपी विधानसभा की मौजूदा संख्याबल के मुताबिक बीजेपी के 258, सपा के 103, अपना दल के 13, रालोद के 9, निषाद पार्टी के 5, सुभासपा के 6, कांग्रेस के 2, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के 2 बसपा का 1 विधायक है।यदि इसी आधार पर 2026 में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए निर्वाचन की स्थिति बनती है तो प्रत्येक राज्यसभा सीट के लिए 37 मतों की जरूरत होगी। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पाले में 294 मत हैं।

अश्लील गाने पर मचे बवाल के बाद सामने आई नोरा फतेही

बोली- मेरे साथ भी हुआ धोखा

अभिनेत्री नोरा फतेही ने बुधवार को श्सरके चुनरश गाने के कथित अश्लील बोल को लेकर उठे विवाद से खुद को अलग करते हुए कहा कि उन्होंने तीन साल पहले कन्नड़ भाषा में इस गाने की शूटिंग की थी और बाकी सभी की तरह वह भी इसके हिंदी संस्करण को देखकर हैरान थीं। संजय दत्त और नोरा फतेही के इस हिंदी गीत का वीडियो दो दिन पहले यूट्यूब पर डाला गया था, जिसके बाद देखते ही देखते यह वायरल हो गया। गीत के अश्लील बोल को लेकर विवाद खड़ा हो गया। यह गाना आगामी कन्नड़ फिल्म केडी द डेविल का है। इंस्टाग्राम पर साझा किए एक वीडियो में फातेही ने कहा कि वह आलोचनाओं के लिए आभारी हैं क्योंकि इससे निमार्ताओं को आखिरकार गाने को सोशल मीडिया से हटाने के लिए मजबूर होना पड़ा। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने पहले ही इस बात को उठाया था कि गाने के हिंदी बोल आपत्तिजनक हैं। फातेही ने कहा- मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि इस गाने को साझा करना बंद कर दें क्योंकि आप इसे बेवजह बढ़ावा दे रहे हैं। इसके अलावा, मुझे दिख रहा है कि कुछ लोग इसका इस्तेमाल मेरे चरित्र पर हमला करने के अवसर के रूप में कर रहे हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। नोरा ने आगे कहा-हालांकि, मैं यह दोहराना चाहती हूं कि मुझे इस गाने के हिंदी बोल के बारे में कोई जानकारी नहीं थी और मेरी तस्वीर के साथ इसका उपयोग करने के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। वीडियो संदेश में फातेही ने कहा कि उन्होंने यह गाना इसलिए किया क्योंकि यह एक बड़ी फिल्म का हिस्सा था और इसमें संजय दत्त जैसे अभिनेता थे। फातेही ने कहा कि उन्हें लगा था कि यह गाना नायक नहीं खलनायक हूं मैं का रीमेक है। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें कन्नड़ समझ नहीं आती इसलिए अनुवाद करने के मामले में उन्होंने फिल्म निमार्ताओं पर भरोसा किया।

तड़के सुबह एक्ट्रेस निमिषा नायर के साथ हुई बदसलूकी

फ्लाईओवर में हुआ डरावना मंजर

महिलाओं के साथ आए दिन बदसलूकी की घटनाएं सामने आती रहती हैं। वहीं, हाल ही में एक्ट्रेस निमिषा नायर ऐसी ही घटना का शिकार हो गईं। मुंबई में निमिषा के साथ बदसूलकी की गई और धमकी भी दी गई। इस घटना का खुलासा एक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया के जरिए किया है। निमिषा नायर के साथ ये घटना मंगलवार सुबह करीब 4रू50 बजे हुई, जब वह बांद्रा ईस्ट के खेरवाड़ी फ्लाईओवर से कैब में जा रही थीं। तभी दो युवक उनकी गाड़ी के सामने आ गए और रास्ता रोकने की कोशिश करने लगे। शुरू में यह विवाद ओवरटेक करने को लेकर हुआ। फिर उन्होंने अपनी स्कूटी सड़क के बीच खड़ी कर दी। कैब ड्राइवर को

गालियां दीं और डराने-धमकाने लगे। उन्होंने गाड़ी के दरवाजे खोलने की कोशिश की और बार-बार खिड़की खोलने को कहा। सुरक्षा के डर से उन्होंने खिड़की नहीं खोली। निमिषा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस घटना के बारे में अपडेट देते हुए लिखा, श्कल मुझे मुंबई पुलिस से कॉल आया। पहले कंट्रोल रूम से, फिर इंचार्ज अधिकारी की ओर से कॉल आया। उन्होंने मुझसे पूरी जानकारी मांगी ताकि जांच आगे बढ़ सकें। मैंने उन्हें सारी जानकारी और सबूत दे दिए। उन्होंने आगे लिखा, पुलिस चाहती है कि कैब ड्राइवर खुद आकर शिकायत दर्ज करवाए। मैंने उनसे कहा कि आपके पास जो जानकारी है, उसी के आधार पर कम से कम बाइक वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। आज सुबह उन्होंने मुझे भरोसा दिया कि वे ऐसा जरूर करेंगे। लेकिन अभी तक किसी कार्रवाई की कोई पक्की खबर नहीं मिली है। एक्ट्रेस ने बताया कि इसी साल कोलाबा में भी उनके साथ ऐसी ही एक घटना हो चुकी है। उस समय उन्होंने पुलिस में एफआईआर भी दर्ज कराई थी। इस नई घटना के बाद उन्होंने शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन व्यस्त शेड्यूल और ऑनलाइन सिस्टम में तकनीकी दिक्कतों के कारण परेशानी हुई।

प्रेग्नेंट दिव्यांका त्रिपाठी का पहला पोस्ट

पति विवेक संग व्हाइट ट्विनिंग करती बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिखीं एक्ट्रेस

टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस शादी के पूरे 10 साल बाद पति विवेक दहिया के बच्चे की मां बनने वाली है। हाल ही में एक इंटरव्यू में कपल ने इस खुशखबरी की पुष्टि की थी। वहीं, अब हाल ही में प्रेग्नेंट दिव्यांका का पहला पोस्ट सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया। दिव्यांका त्रिपाठी ने अपने इंस्टाग्राम पर बेबी बंप के साथ कई तस्वीरें शेयर की। इन तस्वीरों वह पति विवेक दहिया संग व्हाइट ट्विंनिंग करती नजर आ रही हैं और अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती बेहद खुश दिख रही हैं। एक तस्वीर में दोनों छोटे-छोटे बूट्स दिखाते हुए बेबी के आने का इशारा कर रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर कर दिव्यांका ने कैप्शन में लिखा-10 साल बाद कहानी में एक नया मोड़ कुछ सफर जल्दबाजी के लिए नहीं होते, बल्कि वे एक-दूसरे के साथ मिलकर तैयार होने के बारे में होते हैं। और ठीक जब आपको लगता है कि आपकी कहानी पूरी हो चुकी है,जिंदगी उसमें सबसे खूबसूरत अध्याय जोड़ देती है। अभी भी इस पल को जी रहे हैं, अभी भी बिना किसी वजह के मुस्कुरा रहे हैं, हमारे दिल कृतज्ञता से भरे हुए हैं - हम माता-पिता बनने वाले हैं। इससे पहले दिव्यांका त्रिपाठी ने विक्की लालवानी के साथ एक इंटरव्यू में अपनी प्रेग्नेंसी कंफर्म करते हुए कहा था कि विवेक और मैं अभी बच्चा चाहते थे। हमने ट्राई किया और रिपोट्र्स पॉजिटिव आ गई। हम इस खबर से काफी खुश हैं और खुद को भाग्यशाली भी मानते है। इसके साथ उन्होंने ये भी बताया कि वह अपनी प्रेग्नेंसी को 6 महीने तक दुनिया से छिपाने में कामयाब रहीं। बता दें दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया ने 2016 में शादी की थी। अब शादी के 10 साल बाद कपल के घर पहले बच्चे की किलकारी गूंजेगी, जिससे लेकर दोनों बेहद एक्साइटड हैं।

डिज्नी ने अपनी समर 2028 लाइन-अप का किया ऐलान, इन्क्रेडिबल्स 3 और लिलो एंड स्टिच 2 इस दिन होंगी रिलीज

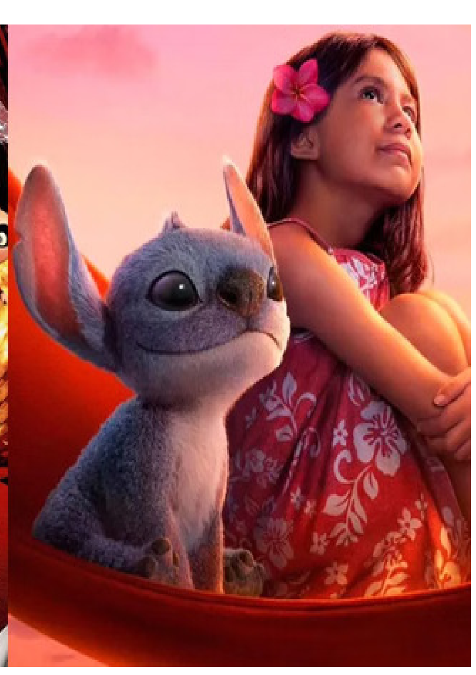

डिज्नी ने अपनी समर 2028 लाइन-अप का ऐलान कर दिया है, जिसमें फैंस की पसंदीदा दो बड़ी फिल्मों की रिलीज डेट सामने आ गई है। डिज्नी ने हाल ही में अपनी समर 2028 लाइन-अप का ऐलान कर दिया है। इसमें इनक्रेडिबल्स 3और लिलो एंड स्टिच 2 को लेकर भी बड़ा अपडेट दिया गया है, जिसमें इन दो बड़ी फिल्मों की रिलीज डेट सामने आ गई है। इस अपडेट के बाद अब फैंस की एक्साइटमेंट भी बढ़ गई है। इस दिन रिलीज होगी इनक्रेडिबल्स 3 डिज्नी के मुताबिक, एनिमेशन फिल्म इनक्रेडिबल्स 3 16 जून 2028 को थिएटर्स में रिलीज होगी। इनक्रेडिबल्स 3 काफी लंबे इंतजार के बाद आ रही है, क्योंकि इसका पिछला पार्ट 2018 में रिलीज हुआ था। इस बार फिल्म को पीटर सोहन डायरेक्ट करेंगे, जबकि ब्रैड बर्ड इसमें राइटर के तौर पर जुड़े रहेंगे। इस दिन रिलीज होगी लिलो एंड स्टिच 2 वहीं दूसरी तरफ, लिलो एंड स्टिच 2 26 मई 2028 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। लिलो एंड स्टिच 2 की बात करें, तो इसकी कहानी क्रिस सैंडर्स लिख रहे हैं, जो इस फ्रेंचाइजी के ओरिजिनल क्रिएटर भी हैं। मेकर्स ने इन फिल्मों की रिलीज डेट की घोषणा अपने इंस्टाग्राम हैंडल के जरिए शेयर की है। रिपोट्र्स के अनुसार, दोनों फिल्में कुछ हफ्तों के अंतर में रिलीज होंगी, जिससे समर 2028 में डिज्नी का बड़ा बॉक्स ऑफिस धमाका देखने को मिल सकता है। कुल मिलाकर, डिज्नी की ये अनाउंसमेंट फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है और 2028 का समर सीजन एंटरटेनमेंट से भरपूर रहने वाला है।

तालियां बजने लायक है..धुरंधर 2 देख अल्लू अर्जुन ने टीम को दी बधाई, विजय देवरकोंडा ने भी की जमकर तारीफ

मच अवेडट फिल्म धुरंधर द रिवेंज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर दर्शकों में इतनी एक्साइटमेंट थी कि रिलीज से पहले ही इसकी एडवांस बुकिंग शुरू हो गई थी। वहीं, आज रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर धुरंधर 2 को दर्शकों की पॉजिटिव प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। इसी बीच सुपरस्टार अल्लू अर्जुन से लेकर विजय देवरकोंडा तक कई सेलेब्स ने आदित्य धर की हालिया फिल्म पर प्यार लुटाते हुए अपना

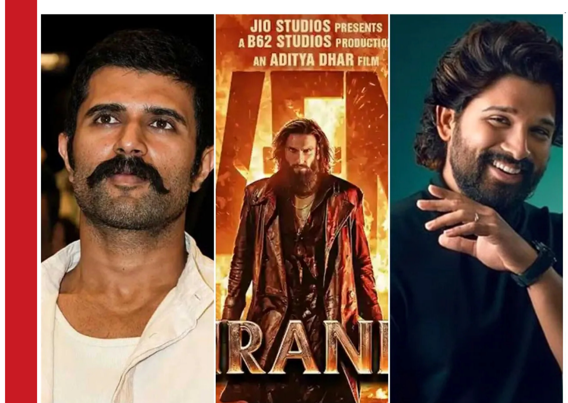

रिएक्शन दिया है। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने अपने एक्स अकाउंट पर लंबा नोट शेयर करते हुए लिखा, मैंने धुरंधर 2 देखी। फिल्म देशभक्ति और स्टाइल का शानदार कॉम्बिनेशन है। यह हर देशभक्त को गर्व महसूस कराएगी। कई सीन ऐसे हैं जहां तालियां बजने लायक हैं। एक भारतीय कहानी लेकिन इंटरनेशनल स्टाइल में। इसके साथ ही अल्लू अर्जुन ने पूरी टीम को बधाई दी और लिखा, माधवन गारु और सभी कलाकारों ने शानदार अभिनय किया। तकनीकी रूप से भी फिल्म बेहतरीन है। हमारे देश में रणवीर सिंह जैसे प्रतिभाशाली व बहुमुखी कलाकारों के होने पर बहुत गर्व है। आदित्य धर ने फिल्म को कमाल बना दिया। यह एक भारतीय कहानी है, लेकिन इंटरनेशनल स्टाइल में। जय हिंद! वहीं, विजय देवरकोंडा ने एक्स पर लिखा-कल से भारतीय सिनेमा और कल्चर में कुछ बड़ा होने वाला है। चार शब्द- भारत माता की जय! पूरी कास्ट और क्रू को ढेर सारा प्यार और सम्मान। आदित्य धर फिल्म्स हद जीनियसर। रणवीर सिंह एक्स्प्लोसिव दिखे। एक्टर आर माधवन, सारा और जमील अंकल सभी शानदार लगे हैं। निर्देशक मधुर भंडारकर ने अपने पोस्ट में लिखा-बुधवार रात मैंने 3 घंटे 49 मिनट की फिल्म धुरंधर 2 देखी और अभी तक दिमाग में वही रहा। यह एक शानदार उदाहरण है कि किसी बड़े और महत्वपूर्ण सीक्वल को कैसे बनाया जाता है। निर्देशक का विजन हर सीन में झलकता है। फिल्म की स्पीड इतनी तेज है कि सांस लेने का मौका नहीं मिलता। पूरी कास्ट अच्छी है लेकिन रणवीर सिंह का रोल सबसे अलग है। उनकी एक्टिंग इतनी जबरदस्त है कि शब्द कम पड़ जाते हैं। वे किरदार में पूरी तरह ढल जाते हैं। उन्हें नेशनल अवॉर्ड मिलना चाहिए। स्पाई यूनिवर्स की दोनों धुरंधर फिल्मों ने भारतीय सिनेमा में नई पहचान बनाई हैं, जिसे आने वाले समय में दुनिया भर में याद किया जाएगा और सीखा जाएगा। यह एक बहुत बड़ी और यादगार फिल्म है। पूरी टीम को इस शानदार काम के लिए बधाई। बता दें, आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणवीर सिंह, सारा अर्जुन, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, राकेश बेदी, दानिश पंडोर और यामी गौतम जैसे कई बड़े कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

सांप के जहर मामले में यूट्यूबर एल्विश यादव को एससी ने दी बड़ी राहत, रद्द की एफआईआर

यूट्यूबर एल्विश यादव सांप के जहर मामले में बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है, जिसमें उन पर वीडियो शूट के दौरान सांप के जहर के इस्तेमाल और कथित रेव पार्टियों में ड्रग्स से जुड़े आरोप लगाए गए थे। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि उन्होंने मामले को केवल कुछ सीमित कानूनी बिंदुओं के आधार पर परखा है। अदालत ने पाया कि दर्ज की गई एफआईआर कानून की दृष्टि से टिकाऊ नहीं है, इसलिए इसे निरस्त किया जाना उचित है। मामले में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक

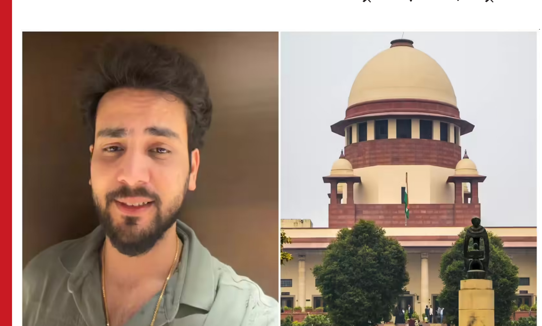

सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। सुनवाई के दौरान यह तर्क रखा गया कि सह-आरोपी से बरामद कथित पदार्थ, जो सांप के जहर से संबंधित एंटीडोट बताया गया, एनडीपीएस एक्ट की सूची में शामिल नहीं है। अदालत ने इस दलील को स्वीकार करते हुए माना कि जिस पदार्थ का जिक्र किया गया है, वह कानून की निर्धारित श्रेणी में नहीं आता। इसके अलावा, कोर्ट ने यह भी नोट किया कि एल्विश यादव के पास से कोई प्रत्यक्ष बरामदगी नहीं हुई थी और चार्जशीट में केवल यह आरोप था कि उन्होंने एक सहयोगी के माध्यम से ऑर्डर दिए थे। इन परिस्थितियों में एनडीपीएस एक्ट का इस्तेमाल करना कानूनी रूप से उचित नहीं पाया गया। मामले का दूसरा पहलू वन्यजीव संरक्षण कानून से जुड़ा था। अदालत ने कहा कि इस कानून के तहत मुकदमा तभी शुरू किया जा सकता है, जब शिकायत किसी अधिकृत अधिकारी द्वारा दर्ज की गई हो। यहां एफआईआर एक ऐसे व्यक्ति द्वारा दर्ज की गई थी, जो एक पशु कल्याण संगठन से जुड़ा था, लेकिन उसे कानूनी रूप से ऐसा करने का अधिकार नहीं था। अदालत ने यह भी कहा कि एफआईआर अपने वर्तमान स्वरूप में जांच के योग्य नहीं है, क्योंकि यह आवश्यक कानूनी मानकों पर खरी नहीं उतरती। साथ ही, शिकायतकर्ता की मंशा को लेकर भी सवाल उठाए गए। अदालत ने यह भी दर्ज किया कि भारतीय दंड संहिता के तहत लगाए गए आरोप स्वतंत्र रूप से मजबूत नहीं बनते, क्योंकि वे एक पुराने मामले से जुड़े थे जिसे पहले ही बंद किया जा चुका था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि उसने मामले के मूल आरोपों की सच्चाई या झूठ पर कोई टिप्पणी नहीं की है। फैसला केवल कानूनी आधारों पर लिया गया है।

सोशल मीडिया क्रिएटर्स से मिले अखिलेश यादव, सकारात्मक कंटेंट पर दिया जोर

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया कंटेंट को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ते हुए इन्फ्लुएंसर्स से सकारात्मक संदेश देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किया जाने वाला हर पोस्ट केवल व्यक्तिगत अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक जिम्मेदारी भी है। गुरुवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने इन्फ्लुएंसर्स को उनके कंटेंट को लेकर सुझाव भी दिए। बैठक के बाद सोशल मीडिया के जरिये अखिलेश यादव ने कहा कि एक इन्फ्लुएंसर के रूप में यह दायित्व बनता है कि वह समाज को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करे। सकारात्मक सोच और संदेश न केवल समाज को बेहतर बनाते हैं

'उकसाया गया तो देंगे जवाब, खाड़ी देशों पर हमले बर्दाश्त नहीं'

सऊदी अरब की ईरान को दो टूक

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद ने कहा कि खाड़ी देशों पर हो रहे हमले तुरंत रुकने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि उकसावे की स्थिति में सऊदी अरब ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का अधिकार सुरक्षित रखता है और क्षेत्रीय स्थिरता उसकी प्राथमिकता है। सऊदी अरब ने ईरान के साथ चल रहे संघर्ष के बीच अपनी प्राथमिकताएं साफ कर दी हैं। सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद ने कहा है कि उनका सबसे पहला लक्ष्य खाड़ी देशों पर हो रहे हमलों को रोकना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका देश क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने पर ध्यान दे रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर उकसाया गया, तो सऊदी अरब ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। रियाद में विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रिंस फैसल ने कहा कि वह केवल यह चाहते हैं कि उनके देश और पड़ोसी देशों पर हमले बंद हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये पड़ोसी देश इस संघर्ष का हिस्सा नहीं हैं। सऊदी अरब इन हमलों को रोकने के लिए राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक जैसे हर संभव रास्ते का इस्तेमाल करेगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि वह दबाव के आगे नहीं झुकेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान अपने पड़ोसियों से बात करने में यकीन नहीं रखता, बल्कि वह उन पर दबाव बनाने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि ईरान की यह रणनीति पूरी तरह नाकाम साबित होगी और इसका उल्टा असर पड़ेगा। प्रिंस फैसल के अनुसार, ईरान पर जो थोड़ा-बहुत भरोसा बचा था, वह अब पूरी तरह खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों पर ईरान के हमले पहले से तय थे और मौजूदा हालात इस बात की पुष्टि करते हैं। सऊदी विदेश मंत्री ने उम्मीद जताई कि तेहरान अपनी हरकतों पर फिर से विचार करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान को आज की बैठक का संदेश समझना चाहिए और अपने पड़ोसियों पर हमले तुरंत बंद करने चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, प्रिंस फैसल ने ईरान पर नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने ईरान के उस तर्क को भी खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि ये हमले अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मौजूदगी के कारण किए गए। सऊदी अरब ने इस बहाने को पूरी तरह से अविश्वसनीय बताया है। बैठक में शामिल अन्य विदेश मंत्रियों ने भी सहमति जताई कि ईरान को अपने प्रॉक्सी समूहों (हथियारबंद गुटों) को समर्थन देना तुरंत बंद करना चाहिए। प्रिंस फैसल ने ऊर्जा ठिकानों पर हुए हमलों को ब्लैकमेल करने की कोशिश करार दिया।

इस्राइल का दावा- ईरान का एयर डिफेंस तबाह, एयरपोर्ट पर खड़े एमआई-17 हेलीकॉप्टर को बनाया निशाना

तेल अवीव (एजेंसी)। इस्राइली वायु सेना ने ईरान की सीमा में एयरपोर्ट पर खड़े एक लड़ाकू हेलीकॉप्टर को निशाना बनाकर तबाह कर दिया। इसके साथ ही इस्राइली सेना ने ईरान पर अपनी वायु श्रेष्ठता साबित की है क्योंकि इस्राइली जहाज बिना किसी परेशानी के ईरान के वायु क्षेत्र में ऑपरेट कर रहे हैं। इस्राइली सेना ने कहा है कि उनकी वायुसेना ने बुधवार को सन्नाज एयरपोर्ट पर ईरान के एक लड़ाकू हेलीकॉप्टर को निशाना बनाकर तबाह कर दिया। इस्राइली सेना ने कहा कि इससे पता चलता है कि ईरान का एयर डिफेंस और वायु सेना की क्षमताएं तबाह हो चुकी हैं।

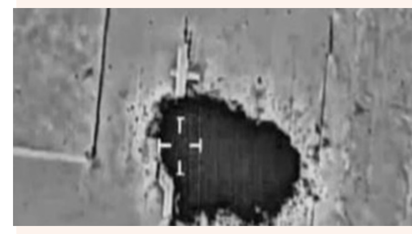

इस्राइली सेना ने ये भी कहा कि पश्चिमी ईरान में हवाई श्रेष्ठता का और विस्तार किया जाएगा। इस्राइली सेना ने साझा किया वीडियो इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि पूरी सटीकता से रियल टाइम खुफिया जानकारी के आधार पर हमला किया गया। आईडीएफ ने बताया कि वायु सेना ने हमदान प्रांत के सन्नाज एयरपोर्ट पर एमआई-17 हेलीकॉप्टर को निशाना बनाया। आईडीएफ लगातार इस्लामिक गार्ड कॉर्प्स की वायु सेना की क्षमताओं पर हमले कर रही है और पश्चिमी ईरान में अपनी हवाई श्रेष्ठता का लगातार विस्तार कर रही है। पश्चिम एशिया की लड़ाई में अब ऊर्जा ठिकानों को बनाया जा रहा निशाना इससे पहले बुधवार रात को इस्राइल ने ईरान के दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया। जिसके बाद ईरान द्वारा कतर के दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र को निशाना बनाया गया। इन हमलों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति को भी ऊर्जा ठिकानों को निशाना न बनाने की अपील करनी पड़ गई और उन्होंने कहा कि उन्हें इस्राइल के हमले की जानकारी नहीं थी। कतर, अजरबैजान, बहरीन, मिस्त्र, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, पाकिस्तान, सऊदी अरब, सीरिया, तुर्किये और संयुक्त अरब अमीरात ने बुधवार को रियाद में बैठक के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया। इस बयान में ईरान को तुरंत हमले रोकने के लिए कहा गया है। इस्राइल के एक ड्रोन अटैक में ईरान में दो लोगों की मौत हुई है।

खाड़ी में कई रिफाइनरी को बनाया निशाना

अब तक 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने गुरुवार को खाड़ी क्षेत्र के अरब पड़ोसी देशों के ऊर्जा ठिकानों पर अपने हमले तेज कर दिए। यह कदम इस्राइल की ओर से उसके मुख्य अपतटीय गैस क्षेत्र पर किए गए हमले के जवाब में उठाया गया। ईरान ने लाल सागर में सऊदी अरब की एक रिफाइनरी पर हमला किया और कतर की एलएनजी सुविधाओं तथा कुवैत की दो तेल रिफाइनरियों को निशाना बनाया। इससे पश्चिम एशिया में जारी युद्ध गंभीर स्थिति में पहुंच गया है और दुनियाभर में ईंधन की कीमतें तेजी से वृद्धि हुई है। युद्ध के कारण तेल की कीमतों में उछाल अंतरराष्ट्रीय मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत 114 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। 28 फरवरी को इस्राइल और अमेरिका ने

ईरान पर हमले शुरू किए थे, इसके बाद से इसमें 57 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है। ऊर्जा संकट की आशंका के कारण बाजारों में चिंता बढ़ गई है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तट के पास एक जहाज में आग लग गई और कतर के पास एक अन्य जहाज को नुकसान पहुंचा। इससे होर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे की ओर ध्यान गया, जहां से दुनिया के तेल का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है और जिस पर ईरान का प्रभाव है। सऊदी अरब पहले ही इस जलमार्ग से बचने के लिए तेल को पश्चिम की ओर लाल सागर के रास्ते भेज रहा था, लेकिन यनबू शहर में स्थित उसकी सैमरेफ रिफाइनरी पर ईरानी ड्रोन हमले के बाद इस रास्ते की सुरक्षा पर भी सवाल उठ गए हैं। कतर ने बताया कि उसकी एक बड़ी एलएनजी सुविधा में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। इससे पहले के हमलों के कारण उत्पादन पहले ही बंद था। लेकिन नए हमलों से वहां और ज्यादा नुकसान हुआ है। इससे युद्ध खत्म होने के बाद भी कतर की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। कतर दुनिया के लिए प्राकृतिक गैस का एक बड़ा स्रोत है। कुवैत में रिफाइनरी पर ड्रोन हमला कुवैत की मीना अल-अहमदी रिफाइनरी पर ड्रोन हमले से आग लग गई। हालांकि, किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह पश्चिम एशिया की सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से एक है। इसके कुछ ही समय बाद पास की मीना अब्दुल्ला रिफाइनरी में भी आग लग गई। हमलों से भरोसा पूरी तरह खत्म हो गयाः सऊदी राजनयिक अबू धाबी के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें हबशन गैस सुविधा और बाब फील्ड में काम बंद करना पड़ा। उन्होंने इसे ईरान के हमलों को खतरनाक बढ़ोतरी बताया। खाड़ी क्षेत्र के कई इलाकों में मिसाइल हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजे और इस्राइल ने भी कई बार ईरानी हमलों की चेतावनी दी। कतर, सऊदी अरब और यूएई ने इन हमलों की निंदा की है। सऊदी अरब के शीर्ष राजनयिक ने कहा कि इन हमलों से भरोसा पूरी तरह खत्म हो गया है। इसके बावजूद ईरान ने अपने हमले जारी रखे। सऊदी अरब ने रियाद और पूर्वी प्रांत में छह ड्रोन मार गिराए। लेकिन सैमरेफ रिफाइनरी को नुकसान पहुंचा। यह रिफाइनरी सऊदी अरामको और एक्सॉनमोबिल की साझेदारी है। इस्राइल में सुरक्षित ठिकानों पर गए लाखों लोग इस्राइल में भी ईरान के कई हमलों के कारण लाखों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। इमारतों को नुकसान पहुंचा। लेकिन बड़े पैमाने पर जनहानि की खबर नहीं है। ईरान ने ये हमले तब किए, जब इस्राइल ने दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया था, जो दुनिया का सबसे बड़ा गैस क्षेत्र है और कतर के साथ साझा किया जाता है। यह हमला ईरान की बिजली आपूर्ति के लिए भी खतरा माना जा रहा है क्योंकि देश की ज्यादातर बिजली प्राकृतिक गैस से बनती है।

जनवरी में हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल तीन लोगों को दी गई फांसी, पुलिस अधिकारियों की हत्या का था आरोप

ईरान (एजेंसी)। ईरान में जनवरी में विरोध प्रदर्शन हुआ था। अब इस में शामिल तीन लोगों को फांसी दी गई है। इन पर पुलिस अधिकारियों की हत्या का आरोप था। ईरान की न्यायपालिका ने गुरुवार को जनवरी में हुए राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों में हिरासत में लिए गए तीन लोगों को फांसी दिए जाने की घोषणा की। ये इस प्रकार की पहली सजाएं हैं, जिनको अमल में लाने की जानकारी मिली है।

पुलिस की हत्या का आरोप ईरान की मिजान समाचार एजेंसी ने इन फांसी की घटनाओं की सूचना दी। ईरान में आमतौर पर फांसी की सजा दी जाती है। मिजान ने मारे गए लोगों की पहचान मेहदी घासेमी, सालेह मोहम्मदी और सईद दावोदी के रूप में की। इसमें आरोप लगाया गया है कि तीनों व्यक्तियों ने विरोध प्रदर्शनों के दौरान राजधानी तेहरान से लगभग 130 किलोमीटर दक्षिण में स्थित कोम में दो पुलिस अधिकारियों की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। ईरान की न्यायपालिका विरोध प्रदर्शनों में गिरफ्तार किए गए लोगों को फांसी देने की धमकी दे रही है। ईरान ने प्रदर्शनों को भीषण हिंसा से कुचल दिया, जिसमें हजारों लोग मारे गए और दसियों हजार अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया। कार्यकताओं ने चेतावनी दी है कि ईरान विरोध प्रदर्शनों में हिरासत में लिए गए लोगों की सामूहिक हत्याओं की लहर चला सकता है। मानवाधिकार कार्यकताओं की ने ईरान पर लंबे समय से बंदियों से जबरन कबूलनामे करवाने और उन्हें अदालत में अपना बचाव पूरी तरह से करने की अनुमति न देने का आरोप लगता रहता है।

जापानी पीएम दो तीन दिन के अमेरिका के लिए रवाना, पश्चिम एशिया में संघर्ष पर ट्रंप से करेंगी बां

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापानी पीएम सनाए ताकाइची ट्रंप से मिलने वॉशिंगटन पहुंचीं। पश्चिम एशिया तनाव, ऊर्जा संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य चिंता का कारण हैं। जापान तेल कीमत बढ़ोतरी से निपटने को भंडार और सब्सिडी पर विचार कर रहा। जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची आज अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वॉशिंगटन पहुंची। वह ऐसे समय में अमेरिका पहुंची है जब ट्रंप ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बीच अपना ध्यान पश्चिम एशिया पर केंद्रित कर रहे हैं। वह तीन दिन के लिए अमेरिका के दौरे पर पहुंची हैं। अपने दौरे से पहले ताकाइची ने टोक्यो में पत्रकारों से

कहा कि वैश्विक शांति और स्थिरता खतरे में है, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज की सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा भी शामिल है। क्योदो न्यूज ने बताया अगर मौजूदा अस्थिर स्थिति बनी रहती है, तो जापान और अमेरिका, साथ ही बाकी दुनिया के लिए हालात और भी मुश्किल हो जाएंगे। ताकाइची के अक्टूबर 2025 में पद संभालने के बाद यह उनका पहला वॉशिंगटन दौरा है। जापान की पहली महिला पीएम बनने के बाद, उन्होंने टोक्यो में ट्रंप के साथ अपनी पहली शिखर बैठक की थी। क्योदो न्यूज ने बताया कि ट्रंप पहले पीएम से व्हाइट हाउस में बातचीत के बाद करेंगे। उसके बाद एक वर्किंग लंच और एक डिनर का आयोजन करेंगे। अब तक जापान ने यूएस और इस्राइल की कार्रवाइयों पर कोई बयान नहीं दिया है, लेकिन टोक्यो ने पश्चिम एशिया के अन्य देशों पर हमलों के लिए तेहरान की निंदा की है, जिससे आम नागरिकों की जान गई है।

अमेरिकी-यूक्रेनी नागरिक 11 दिन की एनआईए की हिरासत में, यूएपीए के तहत हुई थी गिरफ्तारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने एक अमेरिकी

नागरिक और कई यूक्रेनी नागरिकों को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामले में 11 दिनों की एनआईए हिरासत में भेजा है। यूएपीए के तहत गिरफ्तार इन आरोपियों पर प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश, म्यांमार सीमा पार करने और विद्रोही समूहों से संबंध के आरोप लगे हैं। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने एक अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैन डायक और कई यूक्रेनी नागरिकों को 11 दिनों के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी इन विदेशी नागरिकों से राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मामलों में पूछताछ करेगी। कोर्ट ने माना कि यह मामला सामान्य कानूनी उल्लंघन से कहीं ज्यादा बड़ा है और इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए। जांच एजेंसी ने क्या कहा? इन सभी आरोपियों को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि ये लोग एक बड़ी साजिश का हिस्सा हैं। आरोप है कि इन लोगों ने पहले भारत के प्रतिबंधित इलाकों में अवैध रूप से प्रवेश किया और फिर बिना किसी अनुमति के म्यांमार की सीमा पार की। कोर्ट ने कहा कि अगर ये आरोप सही साबित होते हैं, तो यह सीधे तौर पर भारत की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। क्या हैं आरोप? एनआईए की जांच में यह बात सामने आई है कि इन विदेशी नागरिकों के संबंध कुछ हथियारबंद जातीय समूहों और प्रतिबंधित विद्रोही संगठनों से हो सकते हैं। इन पर आरोप है कि इन्होंने विद्रोही गुटों को हथियारों की सप्लाई में मदद की और उन्हें ट्रेनिंग भी दी। इसके अलावा, ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल में भी इनकी भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। रिकॉर्ड के अनुसार, कई यूक्रेनी नागरिक अलग-अलग वीजा पर भारत आए थे। वे उत्तर-पूर्व भारत के राज्यों में पहुंचे और वहां से अवैध तरीके से म्यांमार में दाखिल हुए। एनआईए का दावा है कि यह पूरी आवाजाही चरमपंथी गतिविधियों से जुड़ी एक सोची-समझी योजना का हिस्सा थी। बचाव पक्ष ने क्या कहा? सुनवाई के दौरान आरोपियों के वकील ने गिरफ्तारी को चुनौती दी। उन्होंने तर्क दिया कि गिरफ्तारी के समय कानूनी नियमों का पालन नहीं किया गया और अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत उन्हें दूतावास से संपर्क करने की सुविधा नहीं मिली। बचाव पक्ष ने इसे इमिग्रेशन नियमों का उल्लंघन बताया। वहीं, एनआईए के विशेष लोक अभियोजक राहुल त्यागी ने इन दलीलों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि सभी प्रक्रियाओं का पालन हुआ है और विदेश मंत्रालय को भी इसकी जानकारी दी गई है। यूक्रेनी दूतावास के माध्यम से कानूनी मदद दिलाने के कदम भी उठाए गए हैं। 27 मार्च को होगी अगली सुनवाई कोर्ट ने कहा कि आपराधिक साजिशें अक्सर गुप्त तरीके से रची जाती हैं, इसलिए हिरासत में पूछताछ जरूरी है। अभी जांच शुरूआती दौर में है और डिजिटल सबूतों की जांच होनी बाकी है।

'गैस फील्ड पर हमला हुआ तो करारा जवाब देंगे', कतर के ऊर्जा ठिकाने पर हमले के बाद ईरान की धमकी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की सेना ने अमेरिका और इजरायल के ठिकानों पर मिसाइल हमले किए हैं। ईरान ने इसे अपने खुफिया मंत्री की मौत का बदला

बताया है। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर कतर के गैस ठिकानों को दोबारा निशाना बनाया गया, तो अमेरिका ईरान के ऊर्जा संसाधनों को पूरी तरह नष्ट कर देगा। ईरान की सेना 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने क्षेत्र में अमेरिका से जुड़े तेल ठिकानों पर हमलों की जिम्मेदारी ली है। आईआरजीसी ने बताया कि ये हमले 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' के 63वें चरण का हिस्सा थे। ईरान ने यह कार्रवाई अमेरिका और इस्राइल के उन हमलों के जवाब में की है जो पिछले दिनों ईरान पर हुए थे। आईआरजीसी ने क्या कहा? ईरानी सेना के जनसंपर्क कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि यह हमला ईरान के खुफिया मंत्री इस्माइल खतीब और अन्य साथियों की शहादत का बदला लेने के लिए भी थी। ईरान ने साफ किया कि उसका शुरूआती इरादा तेल ठिकानों पर हमला करने या पड़ोसी देशों की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का नहीं था। लेकिन जब दुश्मन ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया, तो ईरान को भी जवाबी हमला करना पड़ा। आईआरजीसी का कहना है कि अब यह युद्ध एक नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। आईआरजीसी ने किया दावा ईरान की आईआरजीसी ने दावा किया है कि उसने इस्राइल के भीतर लगभग 80 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इनमें रिशोन लेजियन, रामला, लोद, ईलात और तेल अवीव के पास के कई महत्वपूर्ण इलाके शामिल हैं।

एचडीएफसी बैंक के अध्यक्ष के इस्तीफे से शेयर नौ फीसदी लुढ़के

बाजार पूंजीकरण में भारी कमी

नईदिल्ली (एजेंसी)। एचडीएफसी बैंक के अध्यक्ष अतनु चक्रवर्ती के नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए पद छोड़ने के बाद गुरुवार सुबह बैंक के शेयर करीब नौ फीसदी गिर गए। इस इस्तीफे के कारण देश के दूसरे सबसे बड़े ऋणदाता बैंक के बाजार पूंजीकरण में 65,176.48 करोड़ रुपये की भारी कमी आई। बैंक के शेयर अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गए, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ गई। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर ब्लू-चिप स्टॉक 8.41 फीसदी गिरकर 772 रुपये पर आ

गया, जो इसका 52-सप्ताह का निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर भी शेयर 8.66 फीसदी लुढ़ककर 770 रुपये के 52-सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस गिरावट के साथ कंपनी का बाजार पूंजीकरण 12,31,666.45 करोड़ रुपये रह गया। यह शेयर बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला रहा। सुबह के कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1740.34 अंक गिरकर 74,949.92 पर कारोबार कर रहा था, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 514.85 अंक गिरकर 23, 262.95 पर आ गया। यह पहली बार है कि एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक अध्यक्ष ने कार्यकाल के बीच में पद छोड़ा है, जिससे बैंक के कामकाज को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। बैंक ने देर शाम एक फाइलिंग में बताया कि चक्रवर्ती ने 18 मार्च, 2026 को बैंक के अंशकालिक अध्यक्ष और स्वतंत्र निदेशक के पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। बैंक ने यह भी कहा कि चक्रवर्ती का इस्तीफा पत्र 17 मार्च, 2026 का था, लेकिन बैंक को यह 18 मार्च, 2026 को दोपहर 3:17 बजे (भारतीय मानक समय) प्राप्त हुआ। क्या है इस्तीफे का कारण? अतनु चक्रवर्ती ने अपने 17 मार्च के इस्तीफे पत्र में नैतिक चिंताओं का उल्लेख किया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।